दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 2 ■ अंक : 12

ग्वालियर, शुक्रवार 07 अक्टूबर 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

66 बच्चों की मौत मामले में स्वास्थ्य मंत्रालय ने डब्ल्यूएचओ पर सवाल खड़े किए

6 दिन बाद भी डीसीजीआई को फोटो साझा ही नहीं की गई

नई दिल्ली। अफ्रीका देश गाम्बयिा में कफ एंड कोल्ड सिरप के सेवन से 66 बच्चों की मौत के मामले में वश्वि स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और भारत सरकार (जीओआई) का स्वास्थ्य मंत्रालय आमने-सामने आ गए हैं। डब्ल्यूएचओ की ओर से इन सभी मौतों के लिए मेड-इन-इंडिया कफ सिरप की जांच की जा रही है। साथ ही डब्ल्यूएचओ ने मेडिकल प्रोडक्ट को लेकर अलर्ट भी जारी किया है। इस मामले पर अब भारत के स्वास्थ्य मंत्रालय के शीर्ष अफसरों का कहना है कि घटना के 6 दिन बीतने के बाद भी डब्ल्यूएचओ ने डीसीजीआई को पैकेजिंग के लेबल की फोटो साझा नहीं की है और न ही बैच की जानकारी भारतीय दवा नियामक डीसीजीआई को दी गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आला अफसरों के मुताबकि स्टैंडर्ड ऑफ प्रोसीजर (एसओपी) के मुताबकि किसी देश की दवाई के बारे में डब्ल्यूएचओ कोई भी गाइडलाइन या एडवाइजरी उसके सबस्टैंडर्ड होने को लेकर जारी करता है। तब स्वास्थ्य संगठन का दायित्व है कि उस दवाई के लेबल की फोटो संबंधति देश के रेगुलेटर के साथ शेयर करे। लेकनि मामले में 6 दिन बीतने के बाद डीसीजीआई को फोटो साझा ही नहीं की गई। डीसीजीआई ने उस लेकर चार दिन पहले वश्वि स्वास्थ्य संगठन के जेनेवा ऑफिस को ईमेल भी भेजी थी। लेकनि इसका भी कोई रप्लिाई नहीं मलिा है। सूत्र बताते हैं कि भारत की मेडेन फार्मासियूटकल्स लिमिटेड को दवाई नर्यिात के लिए मैनुफैक्चरिंग करने का लाइसेंस ड्रग्स एवं कॉस्मेटकि एक्ट के तहत हरयिाणा राज्य ड्रग कंट्रोलर ने जारी कयिा था। स्वास्थ्य मंत्रालय इसकी जांच भी कर रहा है कि मेड इन इंडिया इन चारों कोल्ड एंड कफ सिरप को सर्फि गाम्बयिा देश ही भेजा गया था या और अन्य देशों में भी इसका नर्यिात हुआ है। हालांकि अब तक इस सिरप के सर्फि गाम्बयिा ही नर्यिात करने की जानकारी प्राप्त हुई है। अधकिारकि सूत्र बताते हैं कि मामले के संज्ञान में आने के बाद संबंधित कंपनी के कोल्ड एंड कफ सिरप के सैंपल टेस्टिंग के लिए उठाए गए हैं। इसकी टेस्टगिं देश की केंद्रीय और क्षेत्रीय ड्रग लैब में होगी। माना जा रहा है कि अगले दो दनिों के भीतर इन सभी टेसटिंग की रपिोर्ट आएगी। मंत्रालय का यह भी कहना है कि भारत देश में नर्मिति कोई भी दवा जब कसिी दूसरे देश में नर्यिात या सप्लाई की जाती है तब मार्केट में बिकने या प्रयोग में लाने से पहले उसकी टेस्टिंग की जाती है। सभी टेस्टगिं के बाद ही उस बाजार में उतारा जाता है या फिर जहां भी नर्यिात करने की जरूरत हो, कयिा जाता है। मंत्रालय ने डब्ल्यूएचओ पर भी सवाल खड़े कएि हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि जब गामबिया में इन ड्रग्स की टेस्टिंग हुई, तब खामियां क्यों नहीं मिली। या फरि यह कहें कि डब्ल्यूएचओ की ओर से इन चारों ड्रग्स को बिना टेस्टिंग कएि ही उस देश में इस्तेमाल करने की मंजूरी दी। इस मामले पर वश्वि स्वास्थ्य संगठन ने चुप्पी साधी हुई है। बता दें कि मेडन फार्मासियूटकल्स लिमिटेड की ओर से कफ एंड कोल्ड सिरप बनाया जाता है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पर कांग्रेस नेता उदित राज के आपत्तिजनक बयान पर भाजपा बोली- माफी मांगे पार्टी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता उदित राज ने देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को लेकर एक विवादित ट्वीट किया जिसको लेकर भाजपा ने रोष जताया है। उदित राज के बयान पर भाजपा ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि कांग्रेस नेता उदित राज द्वारा राष्ट्रपति मुर्मु के लिए इस्तेमाल किए गए शब्द चिंताजनक और दुर्भाग्यपूर्ण हैं। यह पहली बार नहीं है, जब उन्होंने इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया है। कांग्रेस को आदिवासी महिला के अपमान पर माफी मांगनी चाहिए। इसके साथ ही संबित पात्रा ने कहा कि कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने भी राष्ट्रपति के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिया था। कांग्रेस की यह टिप्पणियां उनकी आदिवासी विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। उदित राज के विवादित बयान पर भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने इसे कांग्रेस की एक और गिरी हुई टिप्पणी कहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता उदित राज ने देश की पहली महिला आदिवासी राष्ट्रपति के लिए अस्वीकार्य भाषा का इस्तेमाल किया है। साथ ही पूनावाला ने पूछा कि क्या कांग्रेस इस तरह के आदिवासी समाज के अपमान का समर्थन करती है। राष्ट्रीय महिला आयोग ने कांग्रेस नेता उदित राज को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संबंध में उनके बयान पर नोटिस भेजा है। इसके साथ ही एनसीडब्ल्यू ने राष्ट्रपति के खिलाफ विवादित टिप्पणी को लेकर माफी मांगने को कहा है।

खास खबर

थाइलैंड के मास में गोलीबारी, 34 लोगों की गई जान, मरने वालों में 23 बच्चे

बैंकॉक। थाइलैंड के पूर्वोत्तरी प्रांत में मास शूटिंग में कम से कम 34 लोगों की जान चली गई। बताया जा रहा है, कि मरने वालों में 23 बच्चे हैं। बताया जा रहा हैं कि मरने वालों का आंकड़ा और बढ़ सकता है। मरने वालों में कई बच्चे भी शामिल हैं। घटना में और भी लोगों की जान जाने की पुष्टि हो सकती है।पुलिस प्रवक्ता का कहना है कि गोलीबारी करने वाला शख्स पूर्व पुलिसकर्मी है। उस जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बताया जा रहा है कि बच्चों पर चाकू से भी हमले किए गए हैं। मरने वालों में ज्यादातर बच्चे हैं। पुलिस का कहना है कि हमलावर सफेद रंग की टोयोटा गाड़ी से आया था जिसपर बैंकॉक की ही नंबर प्लेट है। एक पुलिसकर्मी का कहना है कि मरने वालों में 23 बच्चे हैं। बता दें कि थाइलैंड में इससे पहले 2020 में एक सैनिक ने नाखोन रैचसिमा सिटी में 21 लोगों को गोलियों का निशाना बनाया था। हमला करने वाले अपनी पत्नी और बच्चे को भी गोली मार दी। इसके बाद उसने खुद को भी गोली मार ली। हालांकि इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। प्रधानमंत्री ने घटना का संज्ञान लेते हुए तुरंत गिरफ्तारी के आदेश दे दिया हैं। घटना के बाद नोंग बुआ लांफू प्रांत में सेना को अलर्ट कर दिया गया है। पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

राजधानी काबुल में गृह मंत्रालय के निकट बम धमाका, चार लोगों की जान गई

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में गृह मंत्रालय में हुए भयानक धमाके में भारी अफरातफरी मच गई। विस्पोट में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। तालिबान के एक अधिकारी ने बताया कि धमाका बुधवार को दोपहर में करीब डेढ़ बजे हुआ जब गृह मंत्रालय की एक मस्जिद के अंदर कर्मचारी और आगंतुक नमाज अदा कर रहे थे। गृह मंत्रालय पर अफगानिस्तान में सुरक्षा और कानून प्रवर्तन की जिम्मेदारी है। विस्फोट में कम से कम 25 लोग घायल हो गए। गृह मंत्रालय के निकट ही काबुल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी है और यह इलाका अति सुरक्षित इलाकों में गिना जाता है। किलेनुमा परिसर के अंदर हुआ यह हमला तालिबान के लिए बड़ा झटका है, जो अगस्त 2021 में सत्ता पर काबिज होने के बाद से इसपर नियंत्रण हासिल करने के प्रयास कर रहा है। किसी ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन तालिबान का प्रतिद्वंद्वी आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट इस तरह के हमले करता रहा है। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल नफी ताकोर ने बताया कि नमाज के दौरान यह धमाका हुआ। उन्होंने कहा कि चार नमाजियों की मौत हो गई जबकि 25 अन्य घायल हो गए।

म्यांमार की कोर्ट ने जापानी पत्रकार को दस वर्ष के कारावास की सजा सुनाई

बैंकॉक। सैन्य शासित देश म्यांमार की एक कोर्ट ने जुलाई में देश में सरकार विरोधी प्रदर्शनों का वीडियो बनाने के आरोप में गिरफ्तार जापानी पत्रकार को दस साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। जापान के एक राजनयिक ने गुरुवार को यह जानकारी दी। जापानी दूतावास के मिशन के उप-प्रमुख तेत्सुओ कितादा ने कहा कि तोरू कुबोता को बुधवार को इलेक्ट्रॉनिक लेनदेन कानून का उल्लंघन करने के जुर्म में सात साल और उकसावे के अपराध में तीन साल की सजा सुनाई गई। इलेक्ट्रॉनिक लेनदेन कानून में झूठी या उकसावे वाली सूचनाओं के प्रसार से जुड़ा अपराध शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- शरीर से स्वस्थ हो, पत्नी और बच्चों के लिए मजदूरी भी करनी पड़े तो करो

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत ने पत्नी और बच्चों के गुजारा भत्ते को लेकर एक अहम सुनवाई में कहा कि किसी भी व्यक्ति को अलग रह रही पत्नी और बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पैसा कमाना चाहिए। भले ही उसे ऐसा करने के लिए शारीरिक श्रम (मजदूरी) ही क्यों न करना पड़े। शीर्ष कोर्ट ने गुजारा भत्ता (मेंटनेंस) के एक मामले की सुनवाई करते हुए यह बात कही है। अदालत ने कहा कि पत्नी और नाबालिग बच्चों की जिम्मेदारी से कोई व्यक्ति भाग नहीं सकता। जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और बेला त्रिवेदी की बेंच ने कहा कि सीआरपीसी के सेक्शन के 125 के तहत मेंटनेंस का जो प्रावधान है, वह सामाजिक न्याय के लिए है। कोर्ट ने कहा कि यह नियम महिलाओं और बच्चों के संरक्षण के लिए बना है। इसके साथ ही अदालत ने उस शख्स की अर्जी खारिज कर दी, जिसका कहना था कि उसके पास कोई कमाई नहीं है। इसलिए वह अलग रह रही पत्नी और बच्चों को गुजारा भत्ता नहीं दे सकता। पति का कहना था कि उसका पार्टी बिजनेस बंद हो गया है। इसलिए वह गुजारा भत्ता देने की स्थिति में नहीं है। इस पर अदालत ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि अर्जी दाखिल करने वाला शख्स शरीर से सही है।

उत्तराखंड- उत्तराकाशी हिमस्खलन में 15पर्वतारोही सुरक्षित बचाए, 27 अभी भी लापता, बचाव कार्य जारी

उत्तरकाशी। पहाड़ों पर खराब मौसम के चलते पहाड़ों के दरककर गिरने की घटनाओं के चलते उत्तराखंड के 'द्रौपदी का डांडा' शिखर पर मंगलवार को हिमस्खलन के दौरान उत्तराकाशी के नेहरू पर्वतारोहण संस्थान की 63 लोगों का समूह इसकी चपेट में आ गया। इनमें से 15 पर्वतारोहियों को सुरक्षित निकालकर मातली हेलीपैड लाया गया है। अब तक 10 शव बरामद हो चुके हैं। वहीं, 27 पर्वतारोही अब भी लापता हैं। गुरुवार को भी बचाव अभियान जारी है। गुरुवार को गुलमर्ग 14 जवानों की टीम पहुंच गई। हाई एटीट्यूड अभियान में इन जवानों को महारथ हासिल है। जवानों मातली हेलीपैड ड्राप किया गया। सभी जवानों को बेस कैंप के लिए रवाना किया गया। यहां ये सभी जवान डोकरियानी बमक ग्लेशियर जाएंगे।

द्रौपदी का डांडा पर्वत चोटी उत्तरकाशी के भटवाड़ी ब्लॉक में भुक्की गांव के ऊपर है। वहां 17 हजार फुट की ऊंचाई पर मंगलवार सुबह हिमस्खलन में पर्वतारोहियों का यह दल चपेट में आ गया था। उत्तराखंड पुलिस ने उन 20 पर्वतारोहियों की लिस्ट जारी की, जो लापता हैं। बताया जा रहा है कि ये लोग डोकरियानी बमक ग्लेशियर में फंस गए हैं। वहीं हिमस्खलन हुआ था। उत्तराखंड के डीजीपी अशोक कुमार ने बताया कि बुधवार को मौसम साफ होने के बाद वायुसेना के हेलिकॉप्टर से एसडीआरएफ, आईटीबीपी और एनआईएम की टीमें बचाव के लिए भेजी गईं। जिन 15 को बचाया गया है, उनमें 11 ट्रेनी और 4 ट्रेनर हैं। इनमें दिल्ली के मनीष अग्रवाल भी हैं। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने हवाई सर्वे कर बचाव अभियान का जायजा लिया। उन्होंने हिमस्खलन में जान गंवाने वालों के परिजनों को 2-2 लाख और गंभीर रूप से घायलों को 1-1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया। हादसे में उत्तरकाशी के लोंथरु गांव की रहने वाली पर्वतारोही सविता कंसवाल की भी मौत हो गई है। उत्तरकाशी के नेहरू पर्वतारोहण संस्थान में ट्रेनर सविता ने इसी साल मई में सिर्फ 16 दिन के अंदर माउंट एवरेस्ट और माउंट मकालू पर चढ़ाई कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। सविता ने बेहद कम समय में पर्वतारोहण में नाम बनाया था। सविता ने नेहरू पर्वतारोहण संस्थान से एडवांस्ड और सर्च एंड रेस्क्यू कोर्स के साथ पर्वतारोहण प्रशिक्षक का कोर्स किया था। वह संस्थान की कुशल प्रशिक्षक थीं।

मुलायम की हालात नाजुक, सपा कार्यकर्ताओं ने किया हवन और पूजन

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी संरक्षक और यूपी के पूर्व सीएम मुलायम सिंह यादव की सेहत से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार मुलायम सिंह की हालात नाजुक हैं, और वहां अभी भी लाइफ सेविंग ड्रग्स पर हैं। अखिलेश यादव, शिवपाल यादव सहित परिवार के सदस्य दिल्ली में मौजूद हैं। गुरुवार सुबह अखिलेश जब अपने आवास से मेदांता के लिए निकले, तब उन्होंने कार्यकर्ताओं से बातचीत कर उन्हें बताया की तबियत में हल्का सुधार है सब दुआ करें। बता दें, सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव पिछले कई महीनों से बीमार थे, लेकिन जब अचानक उनकी तबीयत ज्यादा खराब हुई, तब उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। जिसके बाद से उनकी हालत बेहद नाजुक है। एक तरफ यादव परिवार परेशान हैं। वहीं दूसरी तरफ सपा के कार्यकर्ता भी मुलायम सिंह यादव के लिए अलग-अलग तरीकों से दुआ हवन और प्रार्थना कर रहे हैं। कानपुर में भी पदयात्रा कर मुलायम की सलामती की दुआ की गई। कानपुर में समाजवादी पार्टी के नेता मोहम्मद आसिफ कादरी ने गुरुवार सुबह अपने साथियों के साथ भूखे-प्यासे 12 किलोमीटर की पदयात्रा शुरू की। जहां से जाजमऊ स्थित दादा मियां की दरगाह पर पहुंचे और मुलायम सिंह की सलामती और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना और दुआ करते हुए मजार पर चादर पेश की। पूरे उत्तर प्रदेश में प्रार्थना और दुआ ,हवन और पूजन का सिलसिला अलग-अलग तरह से किया जा रहा है, ताकि जल्द से जल्द मुलायम सिंह यादव का स्वास्थ्य बेहतर हो। उधर सोनभद्र में सपा कार्यकर्ताओं ने हवन और पूजन किया। सपा कार्यकर्ताओं ने भगवान महादेव से प्रार्थना करते हुए मुलायम सिंह यादव को स्वस्थ व दीर्घायु होने की कामना की।

हरियाणा में कुल 10 हजार एकड़ जमीन में होगा जंगल सफारी का निर्माण

देश या एशिया की नहीं बल्कि विश्व की सबसे बड़ी सफारी होगी

गुरग्राम। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खटटर के अनुसार हरियाणा में कुल 10 हजार एकड़ जमीन पर बड़े स्तर पर जंगल सफारी का निर्माण होगा। ये भारत या एशिया ही नहीं बल्कि विश्व की सबसे बड़ी जंगल सफारी होगी। ये जंगल सफारी टूरिस्ट के लिए बड़ा आकर्षण का केंद्र होगी। इस संबंध में मुख्यमंत्री खट्टर ने जानकारी देकर कहा कि इस प्रोजेक्ट का आइडिया उन्हें दुबई से आया है, जहां उन्होंने ऐसा ही प्रोजेक्ट देखा था। ये प्रोजेक्ट गुरुग्राम (छह एकड़ जमीन) और नूंह जिले (चार एकड़ जमीन) में कुल 10 हजार एकड़ जमीन पर बनेगा। इसमें सभी पशुओं के लिए अलग अलग जोन का निर्माण होगा। इस संबंध में मुख्यमंत्री दो बार गुरुग्राम का दौरा भी कर चुके है। उनका पहला दौरा 28 सितंबर को और दूसरा दौरा 29 सितंबर को हुआ था। मुख्यमंत्री खट्टर ने बताया कि हरियाणा में बनने वाली सफारी शारजाह की सफारी से पांच गुणा अधिक बड़ी होगी, जिसमें अफ्रीका के जानवरों को रखा गया है। हरियाणा सरकार में प्रस्तावित सफारी में 10 जोन होगा, जिसमें रेप्टाइल क्षेत्र और पक्षियों के लिए अलग एरिया बनेगा। यहां पक्षियों की 180 प्रजातियां और तितलियों की 57 प्रजातिया होंगी। जानवरों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए मौसम अनुरुप शेरों के लिए भी चार जोनों का निर्माण होगा, जहां शेर, चीता, पेंथर और बाघ जैसे जानवरों का जनता दीदार कर सकेगी। शाकाहारी जानवरों के लिए अलग जोन का निर्माण होगा। अंडरवाटर एक्विरियम का भी निर्माण होगा जिसमें जल जीव दिखाई देने वाले हैं। इस पार्क में बोटेनिकल गार्डन बनाया जाएगा, जिसमें दुनिया के अलग अलग विशेषताओं वाले पौधों को लगाया जाएगा। गुरुग्राम में बनने वाली सफारी का देशी और विदेशी पर्यटकों में खास आकर्षण होगा। खास बात है कि ये सफारी दिल्ली के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के बेहद नजदीक होगी जिससे विदेशी पर्यटक भी बड़ी संख्या में यहां पहुंच सकते हैं।

भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुई सोनिया गांधी, पार्टी को मजबूत करने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पार्टी अंतरिम प्रमुख सोनिया गांधी के कर्नाटक के जक्कनहल्ली से कराड्या तक भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने की सराहना कर कहा कि उनकी उपस्थिति से पार्टी को मजबूत करने में मदद मिलेगी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी और पदयात्रियों के साथ मांड्या जिले के जक्कनहल्ली और कराड्या के बीच पैदल चलीं। उनका कार्यक्रम केवल 30 मिनट का था।

यात्रा का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि सोनिया गांधी ने हमेशा लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए काम किया है। वह इन सिद्धांतों की रक्षा के लिए चलीं। मुझे उनके साथ चलने पर गर्व है। इस बीच, राहुल गांधी की सोनिया के जूते के फीते बांधते हुए तस्वीरें वायरल हुई। इस पर राजनीतिक विश्लेषक सुधींद्र कुलकर्णी ने कहा, यह भारतीय संस्कृति है। लाखों भारतीय, जो आज कांग्रेस समर्थक नहीं हैं, राहुल गांधी के भारत जोड़ो यात्रा के बाद प्रशंसा करना शुरू कर देने वाले हैं। कांग्रेस महासचिव संगठन के.सी. वेणुगोपाल ने ट्वीट किया, भारत जोड़ो यात्रा को भारी प्रोत्साहन देते हुए, कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी गुरुवार को यात्रा में शामिल हुईं। उनके आगमन से भीड़ में उत्साह की लहर दौड़ गई। उनकी उपस्थिति ही आम आदमी में जोश भरने वाली है और राहुल गांधी और यात्रियों के संकल्प को मजबूत करने वाली है। विजयदशमी और दशहरा पर्व को देखकर दो दिन के अंतराल के बाद मांड्या जिले से भारत जोड़ो यात्रा फिर से शुरू हुई। गुरुवार सुबह, यात्रा पांडवपुरा से शुरू हुई और मांड्या जिले के चौडेनहल्ली गेट पर समाप्त होगी।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह के जम्मू-कश्मीर दौरे से विधानसभा चुनाव की सरगर्मी बढ़ी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के जम्मू-कश्मीर दौरे के बाद से सूबे में विधानसभा चुनाव की अटकले तेज हो गई है। परिसीमन पूरा होने के बाद जम्मू-कश्मीर में चुनाव आयोग ने विधानसभा चुनाव कराने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। वहीं प्रदेश में चुनाव की बात पर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा संशोधित मतदाता सूची के प्रकाशन की कवायद पूरी करने के बाद जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमने राजनीतिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूं कि एक बार चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के प्रकाशन का काम पूरा किए जाने के बाद, पूरी पारदर्शिता के साथ चुनाव कराए जाएंगे और आपके अपने चुने हुए प्रतिनिधि यहां शासन करेंगे। अब सवाल उठता है कि जम्मू-कश्मीर में कब चुनाव होंगे। जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में अगले साल फरवरी महीने के बाद ही चुनाव संभव है। दरअसल ठंड के मौसम में बर्फबारी की वजह से जम्मू-कश्मीर में दिसंबर, जनवरी और फरवरी महीने में चुनाव कराना असंभव है, इसीलिए अगर अक्टूबर, नवंबर में चुनाव नहीं होता है तो फिर फरवरी महीने के बाद चुनाव कराया जाएगा यानी मार्च महीने या इसके बाद। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वोटर वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) की प्रथम-स्तरीय जांच (एफएलसी) की जाएगी। घाटी के सभी 10 जिलों के उपायुक्त और भारत निर्वाचन आयोग का एक दल वर्कशॉप में भाग लेगा। एक अधिकारी ने बताया कि विधानसभा चुनाव के लिए तैयारी जारी है। हालांकि, चुनाव की तारीख की घोषणा निर्वाचन आयोग द्वारा की जाएगी। जम्मू-कश्मीर में नवंबर 2018 के बाद से विधानसभा नहीं है। पीडीपी-भाजपा गठबंधन सरकार के गिरने के बाद तत्कालीन राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने विधानसभा भंग कर दी थी। केंद्र और उपराज्यपाल प्रशासन कहता रहा है कि परिसीमन और अन्य चुनावी प्रक्रिया पूरी होने के बाद इस केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव कराए जाएंगे। इस साल निर्वाचन क्षेत्रों की परिसीमन प्रक्रिया पूरी हो गई है और निर्वाचन आयोग ने पिछले महीने मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्य प्रारंभ कर दिया है। वर्ष 2019 में जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा समाप्त किए जाने के बाद पहली बार यह प्रक्रिया की जा रही है।

न्यूज़ ट्रैक....

रोहित शर्मा के नाम बना एक अनचाहा रिकॉर्ड

इंदौर । इंदौर के होल्कर स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए सीरीज के तीसरे और अंतिम टी20 मैच में रोहित शर्मा खाता नहीं खोल पाए। इस दौरान उन्हें नाम एक अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज हो गया। उन्हें पेसर कागिसो रबाडा ने पारी की दूसरी ही गेंद पर बोल्ड कर दिया गया। रोहित शर्मा मौजूदा सीरीज में दूसरी बार खाता खोले बिना पवेलियन लौटे। इसी के साथ उनके नाम एक अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज हो गया। रोहित टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार जीरो पर आउट होने वाले भारतीय कप्तान बन गए हैं। वह टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में बतौर कप्तान चार बार 0 पर आउट हुए हैं। धुरंधर ओपनर रोहित शर्मा ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा बार जीरो पर आउट होने का रिकॉर्ड बना दिया है। उन्होंने इस दौरान पूर्व कप्तान विराट कोहली को पीछे छोड़ा। विराट टी20 में बतौर कप्तान तीन बार बिना कोई रन बनाए पवेलियन लौटे हैं। 35 साल के रोहित शर्मा ने अभी तक अपने करियर में 142 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कुल 3737 रन बनाए हैं। उन्होंने इस दौरान चार शतक और 28 अर्धशतक जड़े हैं। वह अब टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया की कप्तानी संभालेंगे।

कल से शुरू होगा आईएसएल सत्र

मुंबई । इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सात अक्टूबर से शुरू हो रहे पहले सत्र का पहला मैच कोच्चि के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में केरल ब्लास्टर्स और ईस्ट बंगाल के बीच होगा। आईएसएल के ये मैच वैश्विक फुटबॉल लीग की तरह ही गुरुवार और रविवार के बीच होंगे। इस बार अधिक से अधिक दर्शकों को आकर्षित करने के लिए सप्ताहांत में अधिक मैच रखे गये हैं। आईएसएल के बाद अप्रैल में सुपर कप खेला जाएगा। दो सत्र के बाद आईएसएल से पहली बार दर्शकों की भी स्टेडियम में वापसी होगी। इससे पहले कोरोना संक्रमण के कारण इन मुकाबलों में दर्शकों का प्रवेश प्रतिबंधित था। वहीं आईएसएल के नए प्रारूप के अनुसार लीग चरण में शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें स्वयं ही सेमीफाइनल में प्रवेश के लिए क्वालिफाई करेंगी। इसके बाद तीसरे से छठे स्थान पर रहने वाली टीम एक चरण के प्लेऑफ में खेलेंगी जिससे सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दो अन्य टीमें तय होंगी। वर्तमान चैंपियन हैदराबाद एफसी अपना पहला मैच नौ अक्टूबर को अपने घरेलू मैदान पर मुंबई सिटी एफसी से खेलेगी। वहीं लीग चरण में प्रत्येक टीम 20 मैच खेलेगी। इनमें से 10 मैच वह घरेलू मैदान पर खेलेगी। इन खेलों से दर्शकों को देश और विदेश के शीर्ष खिलाड़ियों को एकसाथ खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा।

2026 तक अर्जेंटीना के कोच बने रहेंगे स्कालोनी

हैरिसन । अर्जेंटीना फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष चिकी तापिया ने कहा है कि लियोनल स्कालोनी साल 2026 विश्व कप तक अर्जेंटीना फुटबॉल टीम के कोच रहेंगे। तापिया ने विश्व कप से पहले राष्ट्रीय टीम के आंतिम अभ्यास मैच में जीत के बाद यह घोषणा की है। तापिया ने कहा कि हम राष्ट्रीय टीम से जुड़ी सभी योजनाओं को अमल में लाने का प्रयास करेंगे। गौरतलब है कि विश्व कप 2018 के प्री क्वार्टर फाइनल में फ्रांस के खिलाफ अर्जेंटीना की हार के बाद स्कालोनी ने जॉर्ज सैमपाओली की जगह कोच का पद संभाला था। उनके कोच रहते हुए अर्जेंटीना ने पिछले साल कोपा अमरीका का खिताब जीता। यह साल 1993 में कोपा अमरीका के बाद उसका पहला बड़ा खिताब है।

भारत-दक्षिण अफ्रीका पहले एक दिवसीय मैच पर बारिश का साया

लखनऊ । यहां इकाना स्टेडियम में आज होने वाले भारत-दक्षिण अफ्रीका पहले एकदिवसीय मैच के बारिश से धुलने की आशंका है। इसका कारण है कि मैच से ठीक एक दिन पहले बुधवार को यहां जमकर बरसात हुई जिससे आज भी बारिश की आशंक बढ़ गयी है। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को भी लखनऊ में पूरे दिन बारिश की संभावना है। मौसम विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार राज्य में मानसून सक्रिय है। इससे लखनऊ समेत कई जिलों में भारी बारिश हुई है। इसमें यह भी कहा गया है कि अगले तीन दिनों तक प्रदेश के पूर्वी हिस्सों में ज्यादातर स्थानों पर तथा पश्चिमी इलाकों में कई जगहों पर बारिश हो सकती है। इसके अलावा कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। इसी बीच, इकाना स्टेडियम के प्रबंधन का कहना है कि अगर मैच के दौरान बारिश नहीं होती है तो कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि स्टेडियम में लगी जल निकासी प्रणाली से बारिश का पानी केवल 30 मिनट के अंदर ही बाहर निकाल कर खेल शुरु किया जा सकता है। गौरतलब है कि इकाना स्टेडियम में पहली बार भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम किसी एकदिवसीय मैच में उतरेगी। अब तक यहां केवल टी-20 मुकाबले ही हुए हैं।

सूर्यकुमार ने कप्तान रोहित शर्मा की बढ़ाई टेंशन

इंदौर । रोहित शर्मा ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले के बाद कहा कि सूर्यकुमार यादव का फॉर्म उनके लिए सिरदर्द बन गया है। भारतीय टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप करने का मौका चूक गई। मंगलवार को इंदौर में खेले गए सीरीज के तीसरे और आखिरी मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने भारतीय टीम को 49 रनों से मात दी। मैच के बाद टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा से जब हार के कारणों पर सवाल किया गया तो उन्होंने विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के फर्म को लेकर अपना बयान दिया। मैच के बाद मुरली कार्तिक द्वारा रोहित शर्मा से सवाल कि टीम इंडिया की क्या मुश्किलें हैं रोहित ने जवाब देते हुए कहा, 'परेशानियों की बात करें तो सूर्य कुमार का फॉर्म हमारे लिए चिंता का कारण है।' यह बयान देते ही रोहित और मुरली कार्तिक दोनों हंसने लगे और फैंस को समझ आया कि रोहित केवल मजाक में ऐसा कह रहे थे। मुरली कार्तिक ने रोहित से कहा, 'मैं यही सोच रहा था कि सूर्य कुमार का फॉर्म तो सबसे कम चिंताजनक बात है।' सूर्यकुमार यादव ने इस सीरीज के तीन मैचों में 119 रन बनाए थे जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। वह लगातार टीम के लिए बल्ले से अहम योगदान दे रहे हैं!

इसके बाद रोहित ने गंभीरता से सवाल का जवाब दिया और कहा कि टीम की गेंदबाजी उनके लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती है। रोहित शर्मा ने कहा कि 'अगर सच कहूं तो हमें अपनी गेंदबाजी पर ध्यान देना होगा। हमें देखना होगा कि पॉवरप्ले, मीडिल और डेथ ओवर्स के लिए हमारे पास क्या विकल्प हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'पिछली दो सीरीज हमारे लिए बहुत मुश्किल रही हैं। हम दो टॉप देशों के खिलाफ खेल रहे थे। उनकी चुनौती काफी मुश्किल थी। हम देखेंगे कि हमें कहां क्या बेहतर करना है।

विक्टोरिया कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में शामिल खेलों का किया ऐलान

खेलों की सूची में रेसलिंग हटा

नई दिल्ली । विक्टोरिया कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में शामिल खेलों का ऐलान हो गया है। कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन ने इन खेलों में शामिल खेलों की सूची जारी की। इसमें निशानेबाजी की गेम्स में वापसी हो गई है, जबकि रेसलिंग को हटा लिया गया है। आर्चरी पहले से ही खेल का हिस्सा नहीं है। सूची में 22 स्पोर्ट्स के 26 डिसिप्लिन शामिल किए गए। इनमें नौ पैरा स्पोर्ट्स को भी शामिल किया गया।

जुलाई-अगस्त माह में बर्मिंघम में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स में शूटिंग और आर्चरी शामिल नहीं था। वहां भारत ने 22 गोल्ड, 16 सिल्वर और 23 ब्रॉन्ज सहित 61 मेडल जीते हैं।

गेम्स के इतिहास में नजर डालें तो भारत को सबसे ज्यादा मेडल शूटर्स ने ही दिलाए हैं। गेम्स में भारत ने अब तक 564 मेडल जीते हैं। इसमें 203 गोल्ड, 190 सिल्वर और 171 ब्रॉन्ज शामिल हैं। इनमें से शूटर्स ने 135 मेडल दिलाए हैं। इनमें 63 गोल्ड, 44 सिल्वर और 28 ब्रॉन्ज शामिल हैं। वहीं, रेसलिंग में भारत को 114 मेडल मिल हैं। इनमें गोल्ड की संख्या 49, सिल्वर की 39 और ब्रॉन्ज की 26 है।

2026 में होने वाले इन खेलों में गोल्फ, बीएमएक्स रेसिंग और कोस्टल रोइंग का डेब्यू होने जा रहा है। यह खेल 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलिंपिक गेम्स में भी शामिल हो सकते हैं। इन तीनों के अलावा 3×3 बॉस्केटबॉल, 3×3 व्हीलचेयर बास्केटबॉल, शूटिंग, शूटिंग पैरा स्पोर्ट्स, माउंटेन बाइक क्रॉसकंट्री, ट्रैक साइक्लिंग एंड पैरा साइक्लिंग शामिल है।

एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स, बैडमिंटन (3×3 और (3×3 व्हीलचेयर), बॉक्सिंग, बीच वॉलीबॉल, कोस्टल रोइंग, टी-20 क्रिकेट (विमेंस), साइक्लिंग (बीएमएक्स, माउंटेन बाइक, रोड, ट्रैक एंड पैरा), डाविंग, गोल्फ, जिम्नास्टिक, हॉकी, लॉन बॉउल्स और पैरा लॉन बाउल्स, नेटबॉल, पैरा पावर लिफ्टिंग, रग्बी सेविंस, शूटिंग और पैरा शूटिंग, स्क्वॉयश, टेबल टेनिस और पैरा टेबल टेनिस, ट्रायलथलॉन और पैरा ट्रायलथॉन व वेट लिफ्टिंग।

टी20 विश्वकप में रिजवान पर लगाना होगा अंकुश

लाहौर । पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान आजकल शानदार फार्म में चल रहे हैं। रिजवान जिस प्रकार बल्लेबाजी कर रहे हैं उसको देखते हुए वह विरोधी टीम के गेंदबाजों के लिए बड़ी चुनौती साबित होंगे। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 क्रिकेट में इस बल्लेबाज ने अपने प्रदर्शन से सभी को हैरान कर दिया है। इस सलामी बल्लेबाज ने इंग्लैंड के खिलाफ पिछले 5 मैचों में 4 अर्धशतक लगाये हैं। ऐसे में गेंदबाजों को विराट कोहली और बाबर आजम से ज्यादा खतरा उनसे रहेगा। रिजवान ने इंग्लैंड के खिलाफ पिछले 5 मुकाबलों में करीब 79 की औसत से 315 रन बनाये हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 141 का रहा है।रिजवान ने साल 2022 में 12 मैचों में करीब 62 की औसत से 619 रन बनाये हैं। पिछली 12 पारियों में इस बल्लेबाज ने सात अर्धशतक लगाये हैं हालांकि स्ट्राइक रेट कम होने से वह कई बार आलोचना का शिकार भी हुए हैं। उन्होंने 128.42 की स्ट्राइक रेट से ये रन बनाए हैं। रिजवान ने पिछले दो सालों से 41 टी20 अंतराष्ट्रीय की 38 पारियों में 1945 रन बनाए हैं। इस दौरान वह 10 बार नाबाद भी रहे। पिछली 38 पारियों में वह 20 बार पचास या उससे ज्यादा रन बनाने में सफल रहे। उन्होंने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने टी20 करियर का एकमात्र शतक भी लगाया था।रिजवान उन टी20 अंतराष्ट्रीय में औसत 50 से ज्यादा का है। उन्होंने 67 मुकाबलों में करीब 54 की औसत से 2258 रन बनाए हैं।

प्रो लीग से मिलेगा सुधार का अवसर : मनप्रीत

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने कहा है कि अगले महीने होने वाले एफआईएच प्रो लीग में स्पेन से खेलने का लाभ टीम को विश्व कप में मिलेगा। भारतीय टीम को विश्वकप में अपना पहला मैच स्पेन से ही खेलना है। मनप्रीत के अनुसार प्रो लीग मैच से उनको टीम स्पेन की रणनीति बेहतर तरीके से समझ पायेगी। मनप्रीत ने कहा, 'यह अच्छा है कि हमें प्रो लीग मुकाबले में अभी स्पेन के खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा। इससे हमें उनके खेलने का तरीका समझने का अवसर मिलेगा। साथ ही हमे पता चलेगा कि विश्व कप से पहले टीम को किस प्रकार के सुधार करने हैं।% उन्होंने कहा, 'कुल मिलाकर हॉकी के लिए यह रोमांचक समय है और मुझे उम्मीद है कि दुनिया भर से प्रशंसक हमारा हौंसला बढ़ाने के लिए राउरकेला और भुवनेश्वर आएंगे।% भारतीय टीम विश्व कप के पूल डी में इंग्लैंड , स्पेन और वेल्स के साथ है। विश्व कप में स्पेन के खिलाफ भारतीय टीम का मुकाबला नये बने राउरकेला स्टेडियम में खेला जाएगा। यह विश्वका सबसे बड़ा हॉकी स्टेडियम बना है। मनप्रीत ने कहा, 'हम सभी ने अनुभव किया है कि भुवनेश्वर के कलिंग हॉकी स्टेडियम में माहौल कितना बेहतर हो सकता है। मैंने सुंदरगढ़ के टीम के अपने साथियों से पता चला है कि इस क्षेत्र के प्रशंसक सभी मुकाबलों के लिए बड़ी संख्या में राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि नये बने बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में 20 हजार से अधिक लोगों के बीच खेलने का अनुभव अनूठा रहेगा।

व्यापार न्यूज

अमेरिकी बाजार में गिरावट रही

मुंबई । अमेरिका और यूरोप में आर्थिक मंदी की आशंका के चलते ग्लोबल बाजारों में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। पिछले कारोबारी सत्र में अमेरिका के सभी प्रमुख शेयर बाजार नुकसान में रहे। एसएंडपी 500 0.20 फीसदी टूटा तो वहीं नेस्डेक में 0.25 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। दूसरी तरफ यूरोपीय बाजार का भी यही हाल रहा। यूरोप के प्रमुख शेयर बाजार में शामिल जर्मनी का स्टॉक एक्सचेंज डीएएक्स 1.21 फीसदी टूटा तो वहीं फ्रांस का शेयर बाजार 0.90 फीसदी गिरकर बंद हुआ। इसके अलावा लंदन का स्टॉक एक्सचेंज 0.48 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ।

डॉलर बढ़ने से मेवों का आयात कम

इंदौर । भारतीय रुपए में लगातार गिरावट होने और डॉलर की रेट बढ़ने से मेवों पर इसका असर पड़ा है इस साल अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान से कम मेवों का आयात किया गया है। पाकिस्तान से खारक, अंजीर और आबजोश का आयात लगभग लगभग ना के बराबर है। पाकिस्तान में खारक के दाम 30 से 50 रूपये किलो तेज हो गए हैं। पाकिस्तान से आयात करने पर 200 फीसदी शुल्क और अफगानिस्तान से आयात करने पर 20 फ़ीसदी आयात शुल्क लगता है। जिसके कारण आयातित मेवों के दाम इतने ज्यादा हो गए हैं,कि इस बार भारतीय व्यापारी माल ही नहीं मंगा रहे हैं। दीपावली के समय मेवों की मांग बढ़ी तेजी के साथ बढ़ती है लेकिन दाम ज्यादा होने से व्यापारियों की कोई रुचि आयात करने में नहीं रही।

रुपया चार पैसे गिरकर 81.66 पर

मुंबई । बाजार में अत्यधिक अस्थिरता के बीच रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले चार पैसे टूटकर 81.66 पर आ गया। इस दौरान कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण रुपए पर दबाव देखा गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 81.52 पर मजबूती के साथ खुला, लेकिन शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज करते हुए 81.66 पर आ गया। इस तरह रुपया पिछले बंद भाव के मुकाबले चार पैसे टूट गया। रुपया मंगलवार को डॉलर के मुकाबले 20 पैसे की तेजी के साथ 81.62 पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार बुधवार को दशहरे के अवसर पर बंद था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.35 प्रतिशत गिरकर 110.81 पर आ गया।

मजबूती के साथ शेयर बाजार की शुरुआत

सेंसेक्स 500 अंक चढ़ा, निफ्टी 17,428 पर पहुंचा

मुंबई । विदेशी पूंजी की आवक और एशियाई बाजारों में मिले-जुले रुख की वजह से गुरुवार को प्रमुख शेयर सूचकांकों में सकारात्मक शुरुआत हुई। इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 513.29 अंक चढ़कर 58,578.76 पर पहुंच गया। व्यापक एनएसई निफ्टी 154.5 अंक बढ़कर 17,428.80 पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स में टाटा स्टील, लार्सन एंड टुब्रो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, सन फार्मा, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति और एक्सिस बैंक बढ़ने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल थे। दूसरी ओर बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और कोटक महिंद्रा बैंक में गिरावट हुई। अन्य एशियाई बाजारों में सोल और तोक्यो के बाजार तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे, जबकि शंघाई और हांगकांग में गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी बाजार बुधवार को मामूली गिरावट के साथ बंद हुए। दशहरा के अवसर पर घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बंद थे। पिछले कारोबारी सत्र में मंगलवार को सेंसेक्स 1,276.66 अंक उछलकर 58,065.47 पर बंद हुआ था। निफ्टी 386.95 अंक की तेजी के साथ 17,274.30 पर बंद हुआ। विशेषज्ञ की मानें तो अब निफ्टी के लिए 17300 स्तर पर पहला रजिस्टेंस नजर आ रहा है। जब तक निफ्टी क्लोजिंग बेसिस पर इस रजिस्टेंस को पार नहीं कर लेता तब तक इसमें कंसोलिडेशन देखने को मिलेगा। अगर निफ्टी क्लोजिंग बेसिस पर 17300 के स्तर को पार कर लेता है तो यह 17500 की तरफ जा सकता है। निफ्टी के लिए अब नियर टर्म सपोर्ट ऊपर की तरफ 17000 पर आ गया है।

एशियाई बाजारों में तेज कारोबार

मुंबई । एशिया के ज्यादातर शेयर बाजार हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज 0.40 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है तो वहीं जापान का निक्केई 0.81 फीसदी ऊपर है। ताइवान का शेयर बाजार भी 0.37 फीसदी बढ़ोतरी के साथ कारोबार कर रहा है। इसके अलावा दक्षिण कोरिया के कॉस्पी में 0.90 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।

सोना 52 हजार और चांदी 61 हजार के पार

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में त्योहारी मांग का असर दिखने लगा है। सोने का भाव गुरुवार को तेजी लिए हुए है। हालांकि तरराष्ट्रीय बाजार में सोने के भाव में लगभग एक सप्ताह से जारी तेजी पर ब्रेक लगा है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का भाव शुरुआती कारोबार में 0.44 फीसदी बा है। सोने के साथ ही चांदी में भी तेजी देखी जा रही है और यह वायदा बाजार में 1.24 फीसदी उछली है। गुरुवार को एमसीएक्स पर 24 कैरेट वाले सोने का भाव 229 रुपए बकर 51,875 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। सोना सुबह 51,836 रुपए पर खुला था। खुलने के बाद भाव एक बार 51,900 रुपए तक पहुंच गया लेकिन यह बत बरकरार नहीं रही और फिर भाव गिरकर 51,875 रुपए हो गया। वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी के भाव में अच्छा उछाल आया है। चांदी 753 रुपए तेज होकर प्रति किलो 61,520 रुपए हो गई है। चांदी में कारोबार 61,100 से शुरू हुई। एक बार भाव बकर 61,620 रुपए हो गया लेकिन कुछ समय बाद गिरकर यह 61,520 रुपए हो गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के भावों में पिछले एक सप्ताह से जारी तेजी गुरुवार को थम गई। सोने का हाजिर भाव 0.22 फीसदी गिरकर चकर 1,719.53 डॉलर प्रति औंस हो गया है। चांदी का हाजिर भाव 1.14 फीसदी गिरकर 20.78 डॉलर प्रति औंस हो गया है। भारत में त्योहारी सीजन में सोने का भाव अभी और बने की संभावना है।

अगले साल तक अपना आईपीओ लाएगी फोनपे, मुख्यालय को सिंगापुर से भारत ला रही

नई दिल्ली । वॉलमार्ट समूह की डिजिटल भुगतान कंपनी फोनपे अपने मुख्यालय को सिंगापुर से भारत लाने की तैयारी में है। कंपनी ने 3 अक्टूबर को अपनी इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) शुरू करने की अपनी योजना से पहले अपने डोमिसाइल को सिंगापुर से भारत ट्रांसफर करने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। फोनपे ने कहा कि यह प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी हुई है। सबसे पहले पिछले एक साल में फोनपे ने फोनपे सिंगापुर के सभी व्यवसायों और सहायक कंपनियों को सीधे फोनपे प्राइवेट लिमिटेड(इंडिया) में ट्रांसफर कर दिया है। इसमें इसकी बीमा ब्रोकिंग और वेल्थ ब्रोकिंग सेवाएं शामिल हैं। कंपनी ने कहा कि दूसरे स्टेप में फोनपे के बोर्ड ने हाल ही में एक नई कर्मचारी स्टॉक स्वामित्व योजना (ईएसओपी) बनाने और फोनपे समूह के कर्मचारियों के मौजूदा ईएसओपी को फोनपे इंडिया की नई योजना के तहत नए ईएसओपी जारी करने की मंजूरी दी है। फोनपे के को-फाउंडर और सीईओ समीर निगम ने खुलासा किया था कि कंपनी अपनी रजिस्टर्ड यूनिट को सिंगापुर से भारत में ट्रांसफर करने की तैयारी कर रही है।

हुंडई मोटर्स क्रेटा का फेसलिफ्ट मॉडल भारत में होगा लॉन्च

नई दिल्ली । हुंडई मोटर्स इंडिया लिमिटेड कंपनी ने हुंडई वेन्यू एन लाइन भी भारत में लॉन्च की। अगले कुछ महीनों में हुंडई मोटर्स क्रेटा का फेसलिफ्ट मॉडल भारत में लॉन्च करेगी। अब आने वाले समय में हुंडई मोटर्स अपनी सबसे खास एसयूवी क्रेटा का एन लाइन वेरिएंट लॉन्च करने जा रही है। यह भी संभावना है कि उसी समय क्रेटा एन लाइन से भी पर्दा उठा दिया जाए।हुंडई मोटर्स की एन लाइन कारों की सबसे खास बात मॉडल का लुक होता है। देखने में ये रेगुलर मॉडल से ज्यादा स्पोर्टी और रिफ्रेशिंग होते लुक्स वाले होते हैं। क्रेटा एन लाइन में भी नए स्टाइल की ग्रिल और बंपर के साथ ही नई अलॉय व्हील्स, डुअल एग्जॉस्ट जैसी कई खूबियां कार के एक्सटीरियर में देखने को मिलेंगी। इसके एक्सटीरियर के साथ ही इंटीरियर में भी रेड एक्सेंट के साथ जगह-जगह एन लाइन बैजिंग देखने को मिलने वाली है। और हुंडई क्रेटा एन लाइन के इंजन और पावर की बात करें तो इसमें 1.4 लीटर का 4 सिलिंडर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन मिलने की उम्मीद है।कार में अडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम के साथ ही मल्टीपल एयरबैग्स समेत लेटेस्ट सेफ्टी फीचर्स देखने को मिलने वाले हैं। वहीं, फीचर्स की बात करें तो इसमें वायरलेस स्मार्टफोन कनेक्टिविटी के साथ ही बड़ा टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस चार्जर, वेंटिलेटेड सीट्स समेक कई खास स्टैंडर्ड फीचर्स मिलने की उम्मीद है। यह इंजन 138 बीएचपी की पावर और 250 न्यूटन मीटर टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम है। क्रेटा एन लाइन में भी स्टैंडर्ड क्रेटा वाला इंजन ही यूज किया जाएगा जो कि 7 स्पीड डीसीटी से लैस होगा।

इनोवा क्रिस्टा और फॉर्च्यूनर कार हुई महंगी

नई दिल्ली । कंपनी ने इनोवा क्रिस्टा और फॉर्च्युनर महंगी कर दी है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर कंपनी की ये दोनों ही अपनी टॉप सेलिंग कारें है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने इनोवा क्रिस्टा का अपडेटेड वर्जन भी लाने वाली है। अपडेटेड वर्जन लॉन्च करने से पहले कंपनी ने इसकी कीमत बढ़ा दी है। कंपनी ने इनोवा क्रिस्टा एमपीवी की कीमत 23,000 रुपये बढ़ाई है। वहीं फॉर्च्युनर 77,000 रुपये तक महंगी हो गई है। प्राइस हाइक के बाद इनोवा क्रिस्टा की शुरुआती कीमत 17.45 लाख रुपये हो गई है। वहीं टॉप वेरियंट की कीमत 23.83 लाख रुपये हो गई है। इनोवा डीजल मॉडल 19.13 लाख रुपये में उपलब्ध है। फॉर्च्यूनर लीजेंडर 4गुणा2 एटी, लीजेंडर 4गुणा4 एटी और जीआर स्पोर्ट 4गुणा4 एटी डीजल वेरिएंट की कीमत में अधिकतम 77,000 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। अब ये मॉडल क्रमशः- 42.82 लाख रुपये, 46.54 लाख रुपये और 50,34 लाख रुपये में उपलब्ध हैं। टोयोटा कैमरी हाइब्रिड और वेलफायर हाइब्रिड की कीमतों में भी क्रमशः- 90,000 रुपये और 1,85,000 रुपये की बढ़ोतरी हो गई है। अब, हाइब्रिड सेडान की कीमत 45.25 लाख रुपये और लक्जरी एमपीवी की कीमत 94,45,000 रुपये है। ध्यान दें कि उपरोक्त सभी कीमतें एक्स-शोरूम हैं। टोयोटा फॉर्च्युनर की बात करें तो 7-सीटर एसयूवी दो पेट्रोल (2.7एल) वैरिएंट- 4एक्स2 एमटी और 4गुना2 एटी में आती है। ये मॉडल अब क्रमशः- 32.59 लाख रुपये और 34.18 लाख रुपये में उपलब्ध हैं। 4एक्स2 एमटी और एटी डीजल वेरिएंट की कीमत क्रमशः- 35.09 लाख रुपये व 37.37 लाख रुपये है। जहां 4गुणा4 मैनुअल डीजल वेरिएंट की कीमत 38.93 लाख रुपये है, वहीं 4गुणा4 ऑटोमैटिक डीजल मॉडल की कीमत 41.22 लाख रुपये है।

ओयो का निजी बाजार में मूल्यांकन गिरकर 6.5 अरब डॉलर हुआ

मुंबई । अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाने की तैयारी में जुटी कंपनी ओयो का निजी बाजार में मूल्यांकन गिरकर करीब 6.5 अरब डॉलर रह गया है। इस साल 30 सितंबर को समाप्त हुए हफ्ते में निजी बाजार में कंपनी के करीब 12.3 लाख शेयरों की बिक्री हुई। जबकि इसके पहले के हफ्ते में 1.6 लाख से अधिक शेयर बिके थे। सूत्र ने बताया कि निवेशकों ने ओयो के शेयर तब बेचने शुरू कर दिए, जब इसके सबसे बड़े निवेशक सॉफ्टबैंक ने अपने बहीखातों में आतिथ्य मंच का मूल्यांकन 20 फीसदी घटाकर 2.7 अरब डॉलर कर दिया। इसके पिछले माह ओयो की वित्तीय रिपोर्ट आने के बाद निजी बाजार में कंपनी के शेयर का मूल्य बढ़कर 94 रुपये प्रति शेयर हो गया था। हालांकि सॉफ्टबैंक के ओयो का मूल्यांकन कम आंकने के बाद निवेशकों ने शेयर बेचना शुरू कर दिए जिससे इसका मूल्यांकन 13 फीसदी गिरकर 81 रुपये प्रति शेयर हो गया।

बच्चों को हार का सामना भी सिखाइये

प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बच्चों पर हमारी आकांक्षाओं का बोझ बढ़ता जा रहा है। इससे बच्चों में तनाव और मानसिक रोग भी बढ़ते जा रहे हैं। आम तौर पर हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे बेहद सफल हों और आपाधापी में यह भूल जाते हैं कि उनकी भी कुछ क्षमताएं हैं। इस क्रम में हम बच्चे को हार का सामना करना सिखा ही नहीं पाते। वहीं बच्चे भी अपने को बेहतर मानते हुए हार का सामना नहीं कर पाते और ऐसे में जब उन्हें हार का सामना करना पड़ता है तो वह उसे स्वीकार नहीं कर पाते। पफिर चाहे वह पढ़ाई हो या कोई खेल।

वहीं इसकी जगह हमें बच्चों को यह समझाना चाहिये की हारने से ज्यादा जरूरी है, खेल में भाग लेना।

अगर हम पीछे रह जाते हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि हम हिम्मत हारकर बैठ जाएं। इन हालातों में बच्चों को हार-जीत से परे होकर स्पर्धा में हिस्सा लेने के बारे में समझाना चाहिए, क्योंकि हम अपने बच्चों को विफल होते नहीं देखना चाहते और न ही उनके भविष्य के साथ किसी तरह का खिलवाड़ होते देखना चाहते हैं। बच्चों को यह बात समझ में आए, इसके लिए जरूरी है कि हम उनके साथ ढेर सारा समय बिताएं और उन्हें ही प्राथमिकता दें। उन्हें खूब सारा प्यार देकर और प्रोत्साहन भरे शब्दों का इस्तेमाल करके राहत दें। अपने बच्चों को हार से उबारने और उससे पार पाने के लिए हमें उन्हें कुछ खास बातें जरूर बतानी चाहिए।

हर समय नहीं मिलती जीत

उन्हें सबसे पहले यह समझाएं कि हर समय जीत जरूरी नहीं है। इसकी शुरुआत स्कूल में ही हो जाती है, जब वे खेलों में हिस्सा लेते हैं। उन्हें यह बताएं कि हर समय हर व्यक्ति जीत नहीं सकता साथ ही यह भी समझना जरूरी है कि वे जो कर रहे हैं, उसमें अपना बेहतर देने की कोशिश करें। जितने गर्व के साथ से वे जीत को सिर-माथे पर लेते हैं, उतने ही खुश होकर हार को भी स्वीकार करें।

अपनी हार स्वीकार करें

उन्हें अपनी हार स्वीकार करना सिखाएं जबकि आमतौर पर देखा गया है कि जब बच्चे किसी चीज में पिछड़ जाते हैं तो वे दूसरों को अपनी हार के लिए जिम्मेदार बताते हैं। इस दौरान यह याद रखना जरूरी है कि हार को स्वीकार करने से ही सफलता हासिल होती है। दूसरे को जिम्मेदार बताने से कुछ हासिल नहीं होता।

किसी से तुलना न करें

कई चीजें हमारे बस में नहीं होती। संभव है कि आपका बच्चा खेल में अच्छा हो और पढ़ाई में औसत। इस बात को आपको भी स्वीकार करना चाहिए और बच्चे को भी समझाइए। हां, यह जरूर है कि आधारभूत पढ़ाई सबके लिए जरूरी है। आपको यह सोचकर खुश होना चाहिए कि वह किसी क्षेत्र में तो चैंपियन है। उन्हें उस रास्ते पर चलने में मदद कीजिए, जहां उनकी सफलता छिपी है।

हार पर दें सांत्वना

उनसे बात करें कि हारने के बाद उन्हें कैसा महसूस हो रहा है। यह महत्वपूर्ण है कि आपका बच्चा अपने एहसास आपसे बांटे। इस तरह से आपको यह पता चलेगा कि उन्हें कितना दुख पहुंचा है और आप किस तरह से उन्हें सांत्वना दे सकती हैं और यह समझा सकती हैं कि कभी-कभी हारना भी बुरा नहीं है। अपना यह एहसास बांटने से उन्हें जीवन के अन्य क्षेत्रों के लिए भी तैयार होने में मदद मिलेगी।

असफलता से ही सफलता की राह

उन्हें समझाएं कि हार सफलता की सीढ़ी पर चढ़ने का रास्ता भी हो सकता है। यदि वे बैठकर यह सोचने में लग जाएंगे कि वे कैसे हार गए तो इसका कोई सकारात्मक परिणाम हाथ नहीं आएगा। इसकी बजाय यदि वे अगली बार के लिए तैयारी करेंगे तो सफलता जरुर मिलेगी ।

सबसे बड़ी बात, जब भी आपका बच्चा दुखी हो, उसे गले लगाएं। हमें गले लगाने की जरूरत हर उम्र में पड़ती है। तो आपका बच्चा चाहे पांच साल का हो या पंद्रह का, उसे गले जरूर लगाएं। याद रखें कि आप जितना देंगी, उतना ही आपको वापस मिलेगा। सोचकर देखिए, क्या आपको उस समय अच्छा नहीं लगेगा, जब आप दुखी हों और आपका बच्चे आगे बढ़कर आपको गले लगा ले।

जीत की राह तैयार करें

यह सुनकर थोड़ा अजीब लग रहा होगा, लेकिन सच तो यह है कि जीतने की भी कला होती है। जीतने की योजना भी बनाई जानी चाहिए और उसके बाद उसी के अनुसार काम करना चाहिए। बच्चे की जीतने की इस योजना में आप उसकी मदद कर सकती हैं। पढ़ाई के लिए दिनचर्या बनाने में उसकी मदद करें, पढ़ने में उसकी मदद करें। परीक्षा के समय जब वह देर रात तक जागता है तो उसे चाय या कॉफी बनाकर दें। कहने का तात्पर्य है कि किसी की जीत के लिए सिर्फ उसकी अपनी काबिलियत नहीं, दूसरों की मदद भी जरूरी है।

जब निकल रहे हों बच्चों के दूध के दांत

बच्चे जब छह महीने के हो जाते हैं तब उनके दूध के दांत निकलने का समय होने लगता है, ऐसे समय में बच्चों को बुखार, मसूड़ों में सूजन और दर्द सहित कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए उन्हें विशेष देखभाल की जरुरत होती है। दांत निकलने के दौरान बच्चों को काफी दर्द होता है जिसके कारण वो दिनभर रोते रहते हैं और चिड़चिड़े हो जाते हैं। ऐसे समय में बच्चों को विशेष देखभाल की जरूरत पड़ती है ताकि उन्हें दर्द में राहत दिलाई जा सके और संक्रमण से भी बचाया जा सके। इस दौरान दर्द के अलावा भी बच्चों को कई परेशानियां होती हैं जिनके बारे में अभिभावकों को ध्यान रखना चाहिये।

मसूड़ों में आ जाती है सूजन

दांत निकलने की प्रक्रिया आमतौर पर 6 से 8 महीने में शुरू हो जाती है। पहले-पहल निकले दांतों को ही हम दूध के दांत कहते हैं। दांत निकलने के दौरान बच्चों के मसूड़ों में सूजन आ जाती है और कई बार तो मसूड़े लाल हो जाते हैं। इसी कारण बच्चों को दर्द होता है और वे रोते हैं।

बुखार आ सकता है

दांत निकलने की प्रक्रिया के दौरान बच्चों में बुखार आना एक आम समस्या है। अगर बच्चे के दांत निकल रहे हैं और उसे बुखार आ जाता है तो घबराएं नहीं बल्कि चिकित्सक से सलाह लें। आमतौर पर पैरासीटामाल से ये बुखार ठीक हो जाता है पर चिकित्सक की सलाह के बिना कोई भी दवा बच्चों को न दें।

भूख कम लगती है

दांत निकलने के समय बच्चों को भूख कम लगती है इसलिए वे दूध पीते समय रोते रहते हैं और शांत नहीं होते हैं। ऐसे में बच्चों को जबरदस्ती दूध न पिलाएं नहीं तो उन्हें अपच या कब्ज हो सकती है और बच्चे उल्टी कर सकते हैं। अगर बच्चा 6 महीने से ज्यादा का है तो उसे दूध के अलावा भी कुछ तरल पदार्थ या खाने की बहुत मुलायम चीज दे सकते हैं।

डायरिया की होती है आशंका

दांत निकलने के समय दर्द के कारण बच्चे आसपास की चीजों को उठाकर मुंह में भरने लगते हैं इसलिए संक्रमण के कारण कई बार उन्हें डायरिया भी हो जाता है। इससे बचाव के लिए बच्चों को साफ जगह पर रखें और उसके आसपास की चीजों को भी अच्छी तरह साफ कर दें। इसके अलावा जब बच्चा कोई चीज मुंह में भरे तो उसे गाजर या कोई भी कड़ा फल दे सकते हैं जिसे वो मसूड़ों से काट न पाए।

चिड़चिड़े हो जाते हैं बच्चे

दांत निकलने के दौरान बच्चे लगातार दर्द के कारण चिड़चिड़े हो जाते हैं और दिनभर रोते रहते हैं। इसके कारण कई बार बच्चे रात में सोते-सोते उठ जाते हैं जिससे आपकी परेशानी बढ़ जाती है। चिड़चिड़ेपन के कारण बच्चों में आंख मसलना, बालों को खींचना, खरोंच मारना और चीजों को मुंह में भरना आदि कई लक्षण देखे जा सकते हैं।

बच्चों की करें मालिश

बच्चों को शांत करने के लिए उनके पैरों को मालिश करना आसान उपाय है। पैरों में मालिश करने से बच्चों को अच्छा लगता है जिससे उन्हें दर्द का एहसास कम होता है और वे जल्दी ही शांत हो जाते हैं। मालिश से उन्हें नींद भी आने लगती है और वे सो जाते हैं।

बच्चों को लालच देकर काम न करायें

आमतौर पर अभिभावकों की आदत होती है कि वे अपने बच्चे को लालच देकर काम कराते हैं। अभिभावक कहते हैं कि अगर तुम समय पर अपना होमवर्क खत्म कर लोगे या फिर अपनी हॉबी क्लास में अच्छे से सीखोगे, तो तुम्हें चॉकलेट दिलाएंगे या फिर तुम्हारा पसंदीदा खिलौना खरीद देंगे। यह कभी-कभार के लिए तो यह ठीक है, लेकिन जब यह रोज की आदत बन जाए, तो ऐसे में बच्चे के लिए अपने काम को सही तरीके से कर पाना कठिन हो जाता है। ऐसे में काम की बजाय उसका पूरा ध्यान काम खत्म होने पर मिलने वाली चीजों में ही लगा रह जाता है, जिसकी वजह से वो अपना काम निपटाने वाले अंदाज में करता है। बच्चे में पनपती यह आदत धीरे-धीरे उसकी रचनात्मकता को भी समाप्त कर देती हैं।

ज्यादा बोझ ना डालें

अपने बच्चे को परफेक्ट बनाने के फेर में बहुत सारी चीजें करने के लिए उस पर दबाव ना बनाएं। आपका बच्चा सारी चीजों में सही हो जाए, इसकी अपेक्षा ना करें। यह जरूरी नहीं है कि आपका बच्चा पढ़ाई में अच्छा है, अच्छी ड्रॉईंग करता है, खेलों में अच्छा है, तो वो अच्छा गाना भी गाएगा और डांस भी कर लेगा। अपने बच्चे को उतना ही करने दें, जितना वो सहजता से कर पाए। बहुत सारे के प्रयास में वो कोई भी काम ठीक से नहीं कर पाएगा।

उसका पसंदीदा काम करने दें

छोटे से बच्चे पर अपनी पसंद ना थोपें। उसे वो काम करने दें, जो करना उसे पसंद है। अगर वो डांस क्लास या वॉलीबॉल की क्लास में नहीं जाना चाहता है, तो उसके दोस्त ऐसा कर रहे हैं, यह सोचकर आप उसे भी ऐसा करने के लिए मजबूर ना करें। अगर उसका मन घर में बैठकर कलरिंग करने का है या फिर वह टीवी पर थोड़ी देर के लिए अपना पसंदीदा कार्टून देखना चाहता है, तो इसके लिए आप उसे मना ना करें। अगर आपके पास समय है, तो उसके साथ बैठकर वो काम करें, जिसमें उसे मजा आ रहा हो। उसे बातों-बातों में जिंदगी के बारे में अच्छी बातें बताएं।

इन बातों का रखें ध्यान

बच्चे में किसी भी काम को रचनात्मक तरीके से करने की भावना तभी आएगी, जब उसके अंदर हार का डर नहीं होगा। अभिभावक के तौर पर यह आपका दायित्व है कि अपने बच्चे के अंदर सफलता और असफलता को लेकर सही सोच विकसित करें। अपने बच्चे के अंदर असफलता से भी सीखने का भाव भरें। अपने बच्चे को पूरा समय दें। भले ही आप कितनी भी व्यस्त क्यों ना हों, दिन का कुछ समय सिर्फ अपने बच्चे के लिए रखें। इस समय में आप उसके मन में उठने वाली जिज्ञासाओं को शांत करें। उसके छोटे-छोटे सवालों का धैर्यपूर्वक जवाब दें। उसे अच्छी कहानियां सुनाएं, इससे आपके बच्चे की रचनात्मकता बढ़ेगी। अपने बच्चे से इस बात की उम्मीद न करें कि वो किसी भी काम को एक ही समय में पूरा कर लेगा। उसे काम पूरा करने के लिए वक्त दें। अपने बच्चे के किसी काम की अवहेलना न करें। तुमने तो सारा खराब कर दिया जैसी बातें भूलकर भी ना करें।

बच्चों की संगत और उनके कामों पर रखें नजर

आपका बच्चा स्कूल जाता है तो यह जरूरी हो जाता है कि आप उसके दैनिक कार्यों पर नजर रखें। आपका बच्चा घर के बाहर क्या सीखता रहा है और किन बच्चों की संगत में रहता है यह भी आपके ध्यान में होना चाहिए। इसके लिए यह जरूरी है कि आप अपने बच्चे के रोजमर्रा के अनुभव के साझेदार बनें। इसके साथ ही आप घर के कार्यों को सम्पन्न करते हुए बच्चों को छोटी-छोटी बातें भी सिखा सकते हैं और उसके मन की बात जान सकते हैं। यदि बच्चों के साथ घर के बाहर जाते हैं तो अच्छी और बुरी बातों की जानकारी प्रत्यक्ष रूप से दे सकती हैं। इसी तरह आप बच्चों को मौसम की जानकारी देते हुए अनेक बातों को समझा सकती हैं। ऐसे कई उपाय हैं जिनसे आप बच्चों की समझ विकसित कर सकते हैं। दुनिया के बारे में बच्चों की सोच किस प्रकार की है। बच्चों की उम्र के साथ-साथ दुनिया के बारे में उनकी समझ में बदलाव होता जाता है। इस बदलाव की पूरी जानकारी माता-पिता को ही देनी होती है। आपके बच्चे को क्या अनुभव अनुभव प्राप्त हो रहा है। वह स्कूल या दुनिया की घटनाओं के बारे में क्या सोचता है। ऐसी बातों की पूरी जानकारी आपको होनी जरूरी है। आप बच्चों को इन बातों की जानकारी बहुत ही सुलभ तरीके से प्रदान कर सकते हैं। आस-पास घटित हुई हाल की घटना के बार में आप बच्चों से उनके जवाब या विचार जानने की कोशिश करें। बच्चा जो भी जवाब देता है उसे संपादित कर सही करें। आप किसी समाचार से संबंधित कई जानकारियां अपने बच्चे तक पहुंचा सकते हैं।

अपने बच्चे को सीखने में मदद करें- हर माता-पिता की चाहत होती है कि उसका बच्चा पढ़-लिखकर एक जिम्मेदार व्यक्ति बने। इसके लिए माता-पिता को जिम्मेदारीपूर्ण नेतृत्व प्रदान करना चाहिए। माता-पिता बच्चों को प्रेरणा प्रदान करें। प्रेरणा ऐसी होनी चाहिए जो बच्चे को अंदर से जागृत करे। बाहरी प्रेरणा से बच्चे भ्रमित हो सकते हैं। इसलिए बच्चे के हितों को ध्यान में रखकर माता-पिता अच्छी बातों को सिखाएं। सफलता और असफलता को एक समान समझने की कला विकसित करें। यह भविष्य में बहुत ही कारगर साबित होता है। अपने बच्चे के शेड्यूल को हमेशा व्यस्त न रखें- यदि आप अपने बच्चे को स्कूल की शिक्षा के अतिरिक्त कोई बाहरी शिक्षा प्रदान करना चाहते हैं तो यह ध्यान रखना चाहिए कि यह बच्चे के शेड्यूल में किसी प्रकार का बाधा न डाले। बच्चों का हमेशा व्यस्त रखने से उनकी प्रतिभा प्रभावित होती है। इससे उनकी कार्यप्रणाली पर बुरा प्रभाव पड़ता है। बच्चों को अपनी पसंद का खेल खेलना बहुत ही जरूरी होता है। बच्चे पढ़ाई संबंधी तनाव को खेल के जरिए ही दूर करते हैं। यदि आपने बच्चे को संगीत शिक्षा या अन्य खेल संबंधी अतिरिक्त पाठ्यक्रम की शिक्षा दिला रहे हैं तो आपको यह ध्यान देना जरूरी है।

बच्चे को टीवी और मोबाइल से रखें दूर

आजकल तकनीक की पहुंच बच्चों तक हो गयी है और वे मैदान पर खेलने की जगह घर पर ही टीवी वीडियो गेम और मोबाइल में व्यस्त रहते हैं। यह उनक सेहत के साथ ही पढ़ाई के लिए भी नुकसानदेह हो सकता है। ज्यादा टी वी देखना आपके बच्चे के मानसिक सेहत के साथ-साथ उसके सामान्य स्वभाव को भी प्रभावित कर सकता है। टीवी की लत से कई प्रकार की हानियां हैं। सभी जानते हैं कि बच्चे जो देखते हैं, वही सीखते हैं। टीवी और उस पर आने वाले कार्टून सीरियरल का असर उन पर तेजी से बढ़ रहा है। वहीं दूसरी ओर उनमें सोशल स्किल्स कम हो रहे हैं। यही वजह है कि 8 से 15 साल के 13 प्रतिशत बच्चों में एडीएचडी, ऑटिज्म, एंजाइटी आदि मानसिक परेशानियां पाई जाती हैं। टीवी की इसी लत के कारण किसी एक चीज पर ध्यान केंद्रित करने में भी उन्हें परेशानी होती है। पढ़ाई-लिखाई से जुड़ी परेशानियां भी इसी लत का नतीजा है। इन समस्याओं से छुटकारा पाने का एक ही उपाय है, टीवी देखने की आदत पर नियंत्रण।' अगर आप चाहती हैं कि आपके बच्चे को कार्टून की लत न लगे, वह खेलकूद और पढ़ाई में भी पूरी तरह से सक्रिय रहे, तो इसके लिए कोशिश भी आपको ही करनी होगी।

टीवी प्रोग्राम हो सही

बच्चे पर टीवी के लिए एकदम पाबंदी लगाना तो संभव नहीं है, इसलिए जरूरी है कि आप यह ध्यान दें कि आपका बच्चा टीवी पर कोई अच्छा व ज्ञानवर्धक प्रोग्राम ही देखे। ऐसा कोई भी सीरियल या कार्टून शो जो बच्चे की सोच को नकारात्मक बना सकता है, उससे बचें। कोशिश करें कि बच्चा ऐसा प्रोग्राम देखे जिसमें वह भाग ले सके। जैसे कि क्विज प्रतियोगिता, कोई आर्ट वर्क बनाने की विधि आदि। इस तरह के प्रोग्राम देखने से आपके बच्चे का मानसिक विकास होगा। यदि आपका बच्चा कुछ देखने की जिद करता है तो सबसे पहले उससे उस प्रोग्राम को देखने की वजह जानें। यदि वह ऐसा न कर पाए या उसकी मांग गलत हो तो उसे अपनी आपत्ति का कारण समझाएं।

टीवी देखने की समय सीमा निर्धारित करें

अक्सर माता-पिता बच्चे की शैतानियों व जिद से बचने के लिए उसे टीवी में ही व्यस्त रहने देने में सुकून महसूस करते हैं। उन्हें लगता है, बाहर जाएगा, धूल-मिट्टी में खेलेगा, कपड़े गंदे करेगा या चोट लगा बैठेगा, इससे बेहतर है घर में ही आंखों के सामने टीवी देखता रहे। लेकिन आपकी यह सोच गलत है, आप इसके दीर्घकालिक प्रभाव को नजरअंदाज कर रही हैं। बच्चे को अपने आसपास के वातावरण से सीखने का मौका दें। इस तरह उनका शारीरिक व मानसिक विकास ठीक प्रकार से होगा। उनकी टीवी देखने की समय सीमा निर्धारित करें। बच्चे को 1 या 2 घंटे से ज्यादा टीवी बिल्कुल न देखने दें।

टीवी देखते वक्त हमेशा बच्चे के साथ बैठें

कोशिश करें कि जब भी आपके बच्चे का टीवी देखने का टाइम है, उस वक्त आप भी उसके साथ बैठें। अपने काम करने के चक्कर में उसे अकेला बिल्कुल नहीं छोडें। टीवी देखते वक्त उसके हर सवाल का सही जवाब दें, यदि बच्चा सवाल न पूछे तो आप उससे उसके संदर्भ में सवाल पूछें। यदि बच्चे में किसी सीन को देखकर कोई गलत बात सीखने का अंदेशा हो तो बातों-बातों में उसे उस काम के दुष्परिणाम के बारे में जानकारी दें।

खाना-टीवी साथ नहीं

ज्यादातर परिवारों में लोग रात के वक्त खाना खाते हुए एक साथ बैठकर टीवी देखने को पारिवारिक एकजुटता का प्रतीक समझने की भूल करते हैं। लेकिन यह सोच सरासर गलत है। रात का खाना सब मिलकर खाएं, लेकिन साथ में टीवी नहीं देखें। आपस में बात करें। खासकर बच्चों के मामले में अक्सर देखा गया है कि बच्चा टीवी में इतना मगन हो जाता है कि मां को बार-बार टोक कर खाना खत्म करने के लिए बताना पड़ता है। जब बच्चा खाना खा रहा है तो टीवी बिल्कुल न चलाएं।

कविता

गिरगिट तुम डरपोक ही निकले
गिरगिट तुम डरपोक ही निकले
अपने बचाव में तुम्हें ,
सिर्फ रंग बदलना ही आया।
ना तुम स्वान की तरह
भोक कर लोगों को डरा पाए ।
ना तुम सांप की तरह
अपने बचाव में डंक मार पाए ।
ततैया भी जब
खतरा महसूस करता है
तो डंक मारता है ।
शेर को देखकर लोग तो
वैसे ही डर जाते हैं।
मगर वह अपना साम्राज्य कायम
रखने के लिए
और अपने कुनबे को
सुरक्षित रखने के लिए
दहाड़ कर लोगों की
पतलून गीली कर देता है।

बिच्छू को भी जब
खतरा महसूस होता है
तो वह ऐसा डंक मारता है
कि आदमी तिलमिला जाता है
मगर , गिरगिट तुम्हें
रंग बदलने के अलावा
कुछ भी नहीं आया
तुम तो बस नेताओं की तरह
रंग बदल कर
इतिश्री करने लगे ।
गिरगिट तुम डरपोक ही निकले।

क्या तुम ही एक कारण हो
लोगों के रंग बदलने का
क्या मानव ने तुम से ही
सीखा रंग बदलना,
मगर आज का मानव तुमसे
बहुत आगे निकल गया
वह सांप की तरह डसता भी है
बिच्छू जैसा डंक मारता भी है
शेर की तरह दहाड़ता भी है
कुत्ते की तरह भोंकता भी है
और जरूरत पड़ने पर
कुत्ते की तरह तलवे भी चाटता है।
गिरगिट तुम डरपोक ही निकले

आज का मानव तुमसे
बहुत आगे निकल गया
वह जिस थाली में खाता हैं
उसी में छेद कर देता है
वह अपनों को ही
दीमक की तरह चाट कर
खोखला कर देता है
कुत्ते से उसने बहुत कुछ सीखा
मगर वफादारी सीखना भूल गया
तुम सबको ऊपर वाले ने
हंसने से वंचित रखा
मगर आज का मानव
इस भागमभाग में
हंसना ही भूल गया
गिरगिट तुम डरपोक ही निकले

कमल राठौर साहिल
शिवपुर , मध्य प्रदेश

कविता

लिखुं क्या मैं दोस्तों के लिए
प्रशंसा में शब्द नहीं हैं उनके लिए
माना दोस्ती में खेल भी खेला और मार भी खाया हमनें
पर जरा भी दुख नहीं हैं इसके लिए
माना कुछ को बुलाया खेलने के लिए
पर उनके पास वक्त नहीं हैं मिलने के लिए
ऐसी दोस्ती बहुत किस्मत से मिलती हैं
जिनकी दोस्ती की चर्चा दुनिया करती हैं
दोस्त हमें अपना होने का एहसास कराते हैं
और जरूरत पड़ने पर अपना फर्ज निभाते हैं
माना दोस्ती में कुछ गलतियां की हैं हमनें
पर दोस्तों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित भी किया हैं हमनें
कुछ दोस्त आज भी बहुत याद आयेंगे
उनके जैसे दोस्त कहीं ना मिल पाएंगे

अभी नहीं तो कभी नहीं

नवीन जैन

जब 9 जून 1915 को गांधीजी दक्षिण अफ्रीका में करीब 22 साल तक वकालत और अश्वेतों के लिए विभिन्न आंदोलन करके मुंबई के अपोलो बंदरगाह पर उतरे थे तो तत्काल बाद अपने राजनीतिक गुरु गोपाल कृष्ण गोखले से मिले थे। कहते है गोखले जी ने उनमें कोई खास करंट या स्पार्क नहीं देखा था। फिर भी आजमाने के लिए बिहार के चंपारण भेज दिया, जहां नील किसान जमींदारों के अत्याचारों से मर मर के जी रहे थे। गांधीजी अपनी धर्मपत्नी कस्तूरबा को लेकर बिहार गए। वहां उन्हें सिर्फ आचार्य कृपलानी मिले। धीरे धीरे उक्त तीनों लोग अपने लक्ष्य को साधने में काफी कुछ सफल रहे। आगे चलकर गोखलेजी ने ही गांधीजी को सलाह दी कि वे भारत को समझने के लिए और अंग्रेजो की दास्तां से मुक्त कराने के लिए देश का भ्रमण करें। गांधीजी ने इसके लिए ट्रेन के थर्ड क्लास डब्बे को चुना। फिर उन्होंने इसी माध्यम से विभिन्न आंदोलन या सत्याग्रह किए।और अंततः अगस्त 9 को अंग्रेजो के खिलाफ अंतिम नारा दिया भारत छोड़ो। ये नारा लगभग हर देशवासी के लिए धर्म वाक्य हो गया और 15 अगस्त 1947 को फिरंगियों को भारत छोड़ना ही पड़ा। अब इसका कोई क्या कर सकता है कि 45 साल की उम्र में जब गांधीजी भारत लौटे थे तो मुंबई में उनके स्वागत समारोह की सदारत उन्हीं मोहम्मद अली जिन्नाह ने की थी जो बंटवारे में लाखों लोगों के कत्लेआम के कारण बने। नोबल पुरस्कार के विजेता रवींद्र नाथ टैगोर ने गांधीजी को महात्मा और नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने गांधीजी को राष्ट्रपिता की उपाधि दी। बाद में वे जगत बापू कहलाए।

बहरहाल, लब्बोलूबाब यह है कि किसी भी देश में यात्राएं निष्फल साबित नहीं होती, बल्कि वे क्रांति जैसा राजनीतिक और सामाजिक बदलाव भी ला सकती है। सवाल सिर्फ और सिर्फ आपके अंतः करण से उठती हुई आवाज़ का है । क्या ऐसा नही हो सकता कि वरिष्ठ कांग्रेस जनों को अपनी सही भूमिका की सही वक्त पर अब पहचान हुई है और राहुल गांधी जिन्हें कभी पप्पू कभी गुस्सैल कभी चिड़चिड़ा कभी तमाशेबाज और कभी तो गैरजिम्मेदार तक कहा गया, को भी अपनी असली पहचान भारत जोड़ो यात्रा के मुखिया के तौर पर हुई है। फिलहाल कोई गोपाल कृष्ण गोखले तो नही है, लेकिन भाजपा तक का तापमान उक्त यात्रा को लेकर उछल रहा है। इसका ताजा उदाहरण है भाजपा शासित कर्नाटक राज्य में राहुल की भारत जोड़ो यात्रा का जोरदार स्वागत। सोचने वाले यहां तक सोच रहे है कि कहीं यह यात्रा स्वतंत्रता संग्राम के 75 साल बाद दूसरी बार की आजादी की लड़ाई तो नही है? स्वतंत्रता के पहले हम सदियों तक लगातार गुलाम रहे। यह बात अलग है कि रानी झांसी के नेतृत्व में भी एक क्रान्ति हुई थी, लेकिन अपने कारणों से वह असफल रही। महात्मा गांधी के बारे में महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था कि आने वाली कई नस्लें विश्वास नहीं करेंगी कि हाड़ मांस का एक व्यक्ति कभी ऐसा भी हुआ था। इसलिए राहुल गांधी के महात्मा गांधी होने की कल्पना ही दुश्वार है। गांधीजी ने खासकर फिरंगियों को नाकों चने चबवाए थे, लेकिन आज राहुल गांधी के सामने आने वाली चुनौतियां बिल्कुल बदल चुकी हैं। उन्हें मिल रहे जन सैलाब जैसे समर्थन ने लगातार किनारे छोड़ दिए है। इससे खांटी भाजपा, और आरएसएस के लोगों की भी नींद उड़ रही हैं।विचारणीय बात यह है मुसलमानों के वरिष्ठ नेता, जो भाजपा से किसी भी रूप में जुड़े हैं, तक कहने लगे हैं कि अब दौर तेजी से बदल रहा है। देश के राजनीतिक आसमान पर नई इबारत लिखने का समय तक आ गया लगता है। नहीं । ऐसा नहीं है कि इस अवसर का लाभ अकेले राहुल गांधी को या कांग्रेस को मिल सकता है। जो थोड़ा बहुत भी सही फायदा मिल सकता है वह कुल मिलाकर देश को ही मिलेगा ।कोई उक्त बात को दिन में सपने देखना कह सकता है, लेकिन ऐसे विद्वान लोग कृपया यह भी बता दें कि बदलाव के लिए क्या हिटलर शाही, नक्सलवाद ,हथियार उठा लेना उचित रहेगा। और, इस

बारे में सफल जनमत संग्रह हो भी गया, तो क्या हम पाषाण युग में लौटने के लिए मजबूर नहीं हो जाएं।

भारत में अमेरिका के पहले राजदूत रहे जान नेक्सस अपनी वतन वापसी के वक्त बजाय भावुक होने के बड़े खुश थे। लोगों ने कारण पूछा ,और यह सवाल कर लिया कि नेक्सस साहब, भारत से आखिर आप कौन सी बड़ी चीज़ लेकर अपने वतन लौट रहे हैं? नेक्सस ने कहा भारत आने के पहले मैं घोर अनिश्वरवादी था, लेकिन अब उतना ही ईश्वर वादी होकर लौट रहा हूं। उन्होंने आगे कहा मैं भी मानने लगा हूं कि कहीं तो भगवान है। वर्ना कभी भारत दंगो की आग से बरी होता है, तो विभिन्न महामारियों की जकड़न, बाल विवाह, डाकन, बदले की भावना, भूकंप, बाढ़, अकाल, भुख मरी, अशिक्षा, घोर असमानता, छुआ छूत से निजात नहीं पा पाता। भारत में गजब की यह जो आत्म शक्ति है, वह दुनिया के बेशुमार विकसित देशों में सिरे से लापता है। वर्ना तो इतनी समस्याओं के बाद तो किसी भी देश में खून की नदियां तक बह जाती। सोनिया, राहुल और प्रियंका गांधी के अघोषित आशीर्वाद से मल्लिकार्जुन खड़गे का कांग्रेस अध्यक्ष बनना महज औपचारिकता ही है, लेकिन वे अस्सी वर्ष के हो चुके हैं। कर्नाटक के बाहर ही उनकी आम कार्यकर्ताओं अब तक कोई अपील नहीं हो पाई। वैसे भी सभी नेता पूर्व प्रधानमंत्री स्व.मोरारजी देसाई जैसे, तो होते नहीं, जो तिरासी साल की उम्र में प्रधान मंत्री बनकर स्व. राजनारायण को लेकर सरकार चला सकें।राहुल गांधी को ठीक उसी तरह अलग चलना होगा जैसे गांधी भारत छोड़ो यात्रा का नारा बुलंद करके निकले थे। कहा जाता है कि तब, तो वामपंथी और घोर हिन्दुत्व शक्तियों तक ने उन्हे धता ही नहीं बता दी थी, अड़ंगे भी खूब डाले थे।कांग्रेस में, खड़गे के विपक्षी शशि थरूर तो खुद कह रहे हैं कि मोलिकार्जुक खड़गे एक, तो इतने बुजुर्ग हो चुके हैं। वे, कितने सक्रिय रह पाएंगे? दूसरा, वे नेहरू गांधी परिवार के रिमोट से ही चलेंगे। इसलिए पार्टी वहीं की वहीं रहेगी। अब सवाल है कि शशि थरूर के गृह राज्य केरल में भी वे समर्थन नहीं जुटा पा रहे हैं। इसका परिणाम यह भी निकल सकता है कि अध्यक्ष के चुनाव के बाद भी कांग्रेस की भीतरी कसमसाहट कम नहीं हो। पद यात्रा से मिले जन समर्थन का कोई बही खाता, तो रखा नहीं जा सकता, क्योंकि लोकसभा के अगले चुनाव 2024 में होने हैं। हां, उससे पहले होने वाले विभिन्न विधानसभा आम चुनावों में उक्त पदयात्रा से निकले परिणामों को जांचा जा सकता है। उक्त यात्रा राहुल के लिए नहीं, पूरी कांग्रेस की मजबूती के लिए है। अच्छी बात यह है कि सोनिया भी इसमें शामिल हो रही हैं, लेकिन इन लोगों को कुछ कथित वरिष्ठ पत्रकारों के इस तरह के लेखन से मुंह फेर लेना चाहिए कि यात्रा की समाप्ति पर राहुल गांधी की सफलता का इंद्रधनुष खिलेगा या फलां काम के लिए प्रियंका गांधी उर्फ़ वढेरा की आरती उतारी जानी चाहिए। यदि नेहरू गांधी परिवार इस तरह की भाटगिरी, चमचा गिरी, अपना उल्लू सीधा करने वाले कारनामे में सालों से बिला नागा लगे हुए लोगों के चक्रव्यूह से बाहर नहीं निकला तो कांग्रेस एक तरह के उसी आदिम युग में लौटने को मजबूर हो सकती है, जब पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष स्व . देवकांत बरुआ यहां तक कह गए थे कि इंडिया इज इंदिरा, एण्ड इंदिरा इज इंडिया। तब एक वरिष्ठ (अब स्वर्गवासी) कांग्रेस नेता ने तो इंदिराजी के कनिष्ठ पुत्र स्व. संजय गांधी की चरण पादुकाएं तक उठा ली थीं।

कौन है नीतिनिष्ठ व्यक्ति?

सदाचार एक व्यापक और सार्वभौम तत्व है। देशकाल की सीमाएं इसे न तो विभक्त कर सकती हैं और न इसकी मौलिकता को नकार सकती हैं। जिस प्रकार सूर्य का प्रकाश सबके लिए होता है, उसी प्रकार सदाचार के मूलभूत तत्व मानव मात्र के लिए उपयोगी होते हैं। कुछ व्यक्ति अपने राष्ट्र, कुल या परंपरागत आचार को विशेष महत्व देते हैं, किंतु यह अपनेपन का व्यामोह है। जो कुछ मैं कर रहा हूं, वह सदाचार है, इस धारणा की अपेक्षा व्यक्ति को ऐसी धारणा सुदृढ़ करनी चाहिए कि जो सत् आचरण है, वह मेरे लिए करणीय है। सदाचारी व्यक्ति नीतिनिष्ठ होता है। वह किसी भी स्थिति में नीति के अतिप्रमण को अपनी स्वीकृति नहीं दे सकता। नीतिनिष्ठ व्यक्ति को परिभाषित करते हुए कहा गया है- जिस व्यक्ति में अभय, मृदुता, सत्य, सरलता, करुणा, धैर्य, कर्तव्यनिष्ठ और व्यक्तिगत संग्रह का संयम और प्रामाणिकता होती है, वह नीतिमान कहलाता है। जो व्यक्ति सत्य के प्रति समर्पित होता है, अन्याय का प्रतिकार करते समय भयभीत नहीं होता, अपनी भूल ज्ञात होने पर उसे स्वीकार करने में संकोच नहीं करता और कठिनतम परिस्थिति का मुकाबला करने के लिए तैयार रहता है, वह अभय का साधक होता है। कोमलता का नाम मृदुता है। यह सामूहिक जीवन की सफलता का सूत्र है। इसके द्वारा व्यक्ति के जीवन में सरसता आती है। मृदु स्वभाव में लोच होती है, इस स्वभाव वाला व्यक्ति किसी भी वातावरण को अपने अनुकूल बना लेता है। सत्य का अर्थ है यथार्थता। जो तथ्य जैसा है उसे वैसा ही जानना, मानना, स्वीकार करना और निभाना सत्य है। सत्य की साधना कठिन अवश्य है, पर है आत्मतोष देने वाली। आर्जव सरलता का पर्यायवाची शब्द है। सरलता सदाचार की आधारभूमि है। इसी उर्वरा में सदाचार की पौध फलती-फूलती है।

अथ श्री भागवत कथा - गैर हिन्दुओं की जनंसख्या वृद्धि से चिंतित संघ प्रमुख...!

ओमप्रकाश मेहता

देश पर राज कर रही भारतीय जनता पार्टी के संरक्षक संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहनराव भागवत की आज की सबसे बड़ी चिंता देश में बढ़ रही जनसंख्या असंतुलन है, उनकी आशंका है कि जनंसख्या असंतुलन अतीत से देश के विभाजन का प्रमुख कारण रहा है, इसलिए हमें अभी से इस दिशा में सतर्क हो जाना चाहिए, यद्यपि उन्होंने अपने विजयादशमी महोत्सव सम्बोधन में इस संदर्भ में किसी धर्म या जाति विशेष का उल्लेख तो नहीं किया, किंतु उनके यदि संकेत को सही तरीके से समझा जाए तो उनका इशारा मुस्लिम वर्ग की ओर था, क्योंकि इसाई, सिख, बौद्ध या जैनियों की संख्या में तो आजादी से आज तक कोई खास अभिवृद्धि नहीं हुई किंतु मुस्लिमों की आबादी आजादी के बाद से अब तक पांच फीसदी से भी अधिक बढ़ी है, आजादी के समय देश की आबादी में मुस्लिमों का 9.08 फीसदी का हिस्सा था जो आज बढ़कर 14.23 हो गया है। अर्थात् पिछ्ले पचहत्तर वर्षों में देश में मुस्लिम वर्ग की संख्या में साढ़े पांच फीसदी से भी अधिक वृद्धि हुई, जबकि आजादी के समय इसाई 2.30 फीसदी थे और आज 2.30 फीसदी ही है, जहां तक सिख का सवाल है आजादी के समय ये 1.20 फीसदी थे तो आज 1.22 फीसदी है, बौद्ध आजादी के समय 0.74 फीसदी थे तो आज 0.70 फीसदी है और यदि जैन धर्म की संख्या की बात की जाए तो वे आजादी के समय 0.48 फीसदी थे तो आज 0.37 है। अर्थात् सिख, बौद्ध और जैन तीनों समुदायों की जनसंख्या में कोई विशेष अभिवृद्धि नहीं हुई, किंतु मुस्लिमों का आजादी के समय जो 9.08 फीसदी था वह अब बढ़कर 14.23 फीसदी हो गया, जहां तक हिन्दूओं का सवाल देश की आजादी के समय इनकी जनसंख्या 84.1 फीसदी थी, वो आद घटकर 79.80 फीसदी हो गई है, अर्थात् मुस्लिमों की जनसंख्या पांच फीसदी के

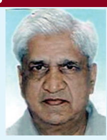

करीब बढ़ी तो हिन्दूओं की संख्या पांच फीसदी कम हुई है, इसी पांच फीसदी के आंकड़े से संघ प्रमुख चिंतित नजर आ रहे है।

अपने सम्बोंधन में संघ प्रमुख ने जनसंख्या पर नियंत्रण के कुछ उपाय भी सुझाये जिसमें लड़कियों के विवाह की न्यूनतम उम्र इक्कीस वर्ष निर्धारित करने का सुझाव दिया है, साथ ही परिवार नियोजन के साधनों-संसाधनों के प्रचार व इस संदर्भ में जागरूकता अभियान चलाने की भी राय दी, अपरोक्ष रूप से उन्होंने कांग्रेस के ''हम दो, हमारे दो'' नारे का समर्थन भी किया, साथ ही इस संदर्भ में सरकार से कड़े कानून बनाने की भी अनुशंसा की। संभवतः उनकी इस चिंता के पीछे कुछ मुस्लिम संगठनों का वह हालिया बयान भी हो, जिसमें अगले पच्चीस सालों में भारत को ''मुस्लिम राष्ट्र'' घोषित करने की बात कही गई थी। इधर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने भी देश में यथाशीघ्र समान नागरिकता संहिता लागू करने तथा जनसंख्या नियंत्रण कानून का सख्ती से पालन करने की मांग की है तथा भागवत के बयान की निंदा करते हुए, उनके बयान को उनकी कथित संकुचित मनोवृत्ति का प्रतीक बताया है।

यहाँ यह भी समझा जा रहा है कि भागवत जी की इस चिंता के पीछे संयुक्त राष्ट्र संघ की वह ताजा रिपोर्ट भी है जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि भारत जनसंख्या के हिसाब से अगले साल तक चीन को पीछे छोड़ देगा बढ़ती जनसंख्या का बोझ भूमिगत जल भण्डारण के साथ-साथ मौजूदा जरूरी संसाधनों पर भी पड़ेगा, फिर पेयजल संकट के चलते भारत की स्थिति और अधिक खराब हो जाएगी। इसीलिए उन्होंने स्पष्ट रूप से मोदी सरकार से मांग की कि वह कड़ा जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाए और उसे भी वर्गों पर कड़ाई से लागू करें।

अपनी विजयादशमी संदेश में भागवत जी ने मोदी सरकार की आलोचना तो नहीं कि किंतु अपनी ओर से कुछ सुझाव अवश्य प्रस्तुत किए।

अपनी ढ़पली और अपने राग महाशक्तियों के

सूडोकु नवताल- 6213

★★★★★ कठिनतम

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल 6212 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

सनत जैन

विश्व युद्ध जैसे बनने लगे हैं आसार

सारी दुनिया के देशों में इस समय अपनी ताकत दिखाने की प्रतिस्पर्धा हो रही है। उत्तर कोरिया द्वारा मंगलवार को सुबह जापान के ऊपर मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल दागी गई। जवाब में दक्षिण कोरिया और अमेरिका की सेना ने पूर्वी सागर में चार मिसाइलें दाग दी। दक्षिण कोरिया की एक मिसाइल अपना बेहतर प्रदर्शन नहीं कर सकी उसके बाद दक्षिण कोरिया और अमेरिका की चिंता बढ़ गई है। कोरियाई प्रायद्वीप के पूर्वी तट पर स्थित अभ्यास के बाद 24 घंटे के अंदर ही परीक्षण को लेकर जो तनातनी देखने को मिल रही है। उससे राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद भी चिंतित है। ले?किन कुछ कर नहीं पा रहा है।

ताइवान और चीन के बीच की तनातनी भी निरंतर बढ़ रही है। ताइवान के रक्षा मंत्री ने बुधवार को कहा कि हम चीनी युद्धक विमानों और ड्रोन द्वारा अपने हवाई क्षेत्र में घुसपैठ का कड़ा जवाब देंगे। चीन और हांगकांग के बीच तनातनी बढ़ाने के लिए अमेरिका भी आग में घी डालने का कोई मौका नहीं छोड़ रहा है। अमेरिका के राजनायिक लगातार हांगकांग जाकर तनाव को बढ़ाने का काम कर रहे हैं। यूक्रेन और रूस के बीच कई महीनों से युद्ध चल रहा है। यूक्रेन के दक्षिणी काला सागर क्षेत्र के खेरसान में रूस को भारी नुकसान हुआ है। रूस कई बार परमाणु हमले की धमकी दे चुका है। हाल ही में रूस ने गोपनीय तरीके से एक

विशेष ट्रेन यूक्रेन की ओर रवाना की है। परमाणु हथियारों के भंडारण, रखरखाव और परिवहन के लिए इस ट्रेन का इस्तेमाल होता है। इस अपुष्ट सूचना के बाद नाटो ने अपने सदस्य देशों को चेतावनी दे दी है। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार रूस अपनी धमकी को पूरा करने के लिए छोटे परमाणु हथियारों से हमला कर सकता है। परमाणु हथियारों की आशंका के चलते हुए नाटो देशों ने अपने नागरिकों को परमाणु हमले की दशा में बचाव के तरीके से अवगत कराना शुरू कर दिया है। आयोडीन की गो?लियां बड़े पैमाने पर बांटी जा रहे हैं। परमाणु विकिरण के दौरान पोटेशियम आयोडीन की गोली खाने से थायराइड ग्रंथि द्वारा हानिकारक विकिरण के अवशोषण में मदद मिलती है।

पिछले 6 माह से लगातार वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के बीच तनातनी का माहौल बना हुआ है। विशेष रुप से अमेरिका चीन और रूस इस लड़ाई में प्रत्यक्ष भूमिका अदा कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद जैसे कुंभकर्ण की निद्रा में सोई हुई है। द्वितीय विश्व युद्ध के समय जैसी स्थितियां निर्मित थीं। लगभग वैसी ही स्थितियां अब निर्मित हो गई हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद का भी कोई औचित्य दिख नहीं रहा है। वीटो अधिकारों से लैस महाशक्तियां जिनमें रूस, चीन, अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस शामिल हैं। यह सब वर्तमान में अपने-अपने हितों का संवर्धन देख रहे हैं। विश्वव्यापी स्तर पर शांति बनाए रखने की दिशा में इनके कोई सार्थक प्रयास नहीं हो रहे हैं। सारी दुनिया के देश आर्थिक मंदी के दौर से गुजर रहे हैं। महंगाई-बेरोजगारी और आर्थिक संकट के इस दौर में दुनिया के सभी देशों में शासन के खिलाफ विद्रोह की स्थिति बनती जा रही है। शायद इसी स्थिति को दबाने के लिए दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्ष अशांति का माहौल बनाकर अपनी सत्ता को सुरक्षित बनाए रखने के लिए सारी दुनिया की आबादी के लिए संकट पैदा कर रहे हैं। यह स्थिति सबसे ज्यादा चिंताजनक है। जब बाड़ी ही खेत को खाने लगे तो खेत में लगी फसल का भगवान ही मालिक है। कुछ इसी तरीके की स्थिति वैश्विक स्तर पर बन चुकी है। सुरक्षा प?रिषद में वीटो अ?धिकार से सम्पन्न राष्ट्र जब स्वयं अपने ?हितों के ?लिये आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। अमे?रिका, रुस तथा चीन अपनी ताकत को सर्वोप?रि बताकर एक-दूसरे को कमजोर करने में लगे हैं। ऐसी स्थिति में संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद से कोई भी आशा करना व्यर्थ है। रुस-यूक्रेन युद्ध इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। रोम जल रहा था। नीरो अपनी बंसी बजा रहा था। ऐसा ही हाल संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद का है।

चुनावी रेवड़ियों पर रोक कैसे लगे?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

भारतीय चुनाव आयोग ने भारत के राजनीतिक दलों की हवा खिसका दी है। उसने तय किया है कि अपने चुनावी घोषणा पत्रों में हमारे राजनीतिक दल मतदाताओं के लिए जो चूसनियां लटकाते हैं या उन्हें रेवाड़ियां परोसते हैं, उनका हिसाब भी उनसे मांगा जाए याने उन्हें यह बताना होगा कि जितना पैसा उस खैरात को बांटने में लगेगा, वह कितना होगा और उसे वे कैसे जुटाएंगे? जाहिर है कि हमारे विरोधी दल इस घोषणा मात्र से ही घबरा गए है। वे चुनाव आयोग पर ही हमला करने पर उतारु हो गए हैं। वे सवाल उठा रहे हैं कि चुनाव आयोग का काम चुनाव करवाना है या राजनीतिक दलों को लंगड़ा करना है? ये नेता यह नहीं बता पा रहे हैं कि अपनी रेवाड़ियों का खर्च और आमदनी का रहस्य खोलने पर वे अपंग कैसे हो जाएंगे? नेता लोगों में इतनी योग्यता नहीं होती कि वे इन रेवड़ियों का हिसाब-किताब खुद समझ सकें या लोगों को समझा सकें। वे तो ऐसे टेढ़े कामों के लिए नौकरशाहों पर ही निर्भर होते हैं। लेकिन असली सवाल यह है कि इस प्रावधान से वे इतने परेशान क्यों हैं? क्योंकि वे अभी विपक्ष में हैं। कोई भी नौकरशाह उन्हें घांस क्यों डालेगा? इसीलिए वे बौखलाए हुए हैं। जहां तक भाजपा का सवाल है, इस मामले में वह चुप है, क्योंकि उसे अपनी रेवड़ियां का आगा-पीछा बतानेवाले नौकरशाह आजकल उसके साथ हैं। सारे विरोधी दलों से मैं यह भी पूछता हूं कि क्या चुनाव आयोग ने यह भी कहा है कि वह भाजपा से उसकी रेवड़ियों का हिसाब नहीं मागेंगा? हिसाब तो सबको देना होगा। बाकी दलों ने पिछले चुनावों में सिर्फ रेवड़ियां बांटी थीं लेकिन मोदी ने 2014 में भारत की जनता को 15-15 लाख का 'रेवड़ा' बांटा था। सभी दल मतदाताओं को फुसलाने के लिए चूसनियां लटकाते हैं। इसी पर सर्वोच्च न्यायालय ने 2015 में 'सुब्रमण्यम बालाजी' केस में फैसला देते हुए कहा था कि चुनाव आयोग यह मालूम करे कि अपने लोक-लुभावन वादों को ये दल पूरा कैसे करेंगे? लोगों पर कौन-कौन-से टैक्स लगाएंगे, किस-किस चीज़ को मंहगा करेंगे, किस-किस सरकारी खर्चे में कटौती करेंगे, अपने लोगों या विदेशों से कर्ज लेंगे तो कितना लेंगे। जाहिर है कि कांग्रेस और विरोधी दल इसे लोकतंत्र की अंत्येष्टि बता रहे हैं लेकिन वास्तव में यह राजनीतिक दलों की चालबाजी की अंत्येष्टि होनी थी। यह अभी तक हुई नहीं है। यदि हो गई तो भी हमारे दलों और नेताओं की चालबाजी इसके बावजूद जारी रह सकती है। वे अपने चुनाव घोषणा-पत्रों में हर रेवड़ी के पीछे इतना लंबा-चौड़ा और उलझनभरा हिसाब पेश कर देंगे कि वह न तो आयोग को पल्ले पड़ेगा और न ही मतदाताओं को!

राजनीतिक दबाव में अपने पदीय दायित्व भूले कलेक्टरः महेशदत्त मिश्रा

शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने में न्यायालयीन एवं प्रशासनिक आदेशों की कर रहे अनदेखी

पूर्व विधायक ने कार्यवाही की मांग को लेकर सौंपा पत्र

मुरैना। कलेक्टर को ना तो अपने पदीय दायित्वों की फिक्र है और ना ही अधिकारियों के आदेशों की चिंता, यही नहीं उनके सामने हाई कोर्ट के आदेश भी बौने साबित हो रहे हैं। यह कहना है जौरा के पूर्व विधायक महेश दत्त मिश्र का। जिन्होंने कलेक्टर कार्यालय में विगत लगभग 3 वर्षों से राजस्व रिकॉर्ड में हेरा-फेरी कर नियम विरुद्ध नामांतरण कराने एवं उस पर अवैधानिक रूप से निर्माण कर अनुचित लाभ लेने के मामले को जानबूझकर लंबित कर आरोपियों को बचाव का अवसर देने का आरोप लगाया है। पूर्व विधायक का आरोप है कि इस मामले में शीघ्र कार्यवाही करने के आयुक्त ग्वालियर के स्पष्ट आदेश एवं उच्च न्यायालय ग्वालियर खंडपीठ द्वारा निर्देशित किए जाने के बावजूद मामले में आज दिनांक तक कोई निर्णय नहीं लिया है। जबकि पूर्व विधायक वरिष्ठ अधिकारियों एवं न्यायालय के आदेशों का हवाला देते हुए कलेक्टर मुरैना से कार्यवाही करने के संबंध में कई बार पत्र लिख चुके हैं। अनुविभागीय अधिकारी जौरा को उक्त मामले में कार्रवाई करने हेतु गुरुवार की दोपहर पुनः एक पत्र सौंपकर मामले में शीघ्र कार्यवाही करने की मांग की। आला अधिकारियों एवं उच्च न्यायालय के निर्देशों के 6 माह बाद भी मामले में कोई कार्रवाई नहीं किए जाने पर पूर्व विधायक मिश्रा ने चुटकी लेते हुए कहा कि ऐसा बेपरवाह एवं डरपोक अधिकारी उन्होंने अपने जीवन में नहीं देखा जो राजनैतिक दबाव में अपने पदीय दायित्वों एवं अधिकारों को भी भूल गया है।

यह है पूरा मामला

पूर्व विधायक महेशदत्त मिश्र ने बताया कि जौरा नगर के मध्य स्थित बेशकीमती भूमि सर्वे क्रमांक 422 बी मिल्कियत सरकारी औकाफ विभाग रकबा 0.052 बिस्वा के रिकार्ड में भाजपा नेता एवं वर्तमान विधायक सूबेदार सिंह सिकरवार ने अपने प्रभाव का उपयोग करते हुए राजस्व रिकॉर्ड में हेराफेरी कर उसका स्वत्व परिवर्तन करा दिया एवं संस्था का अध्यक्ष रहते उन्होंने बगैर किसी ठहराव एवं वैध अनुमति के दुकान निर्माण कर अनुचित लाभ लेकर दुकानों का विक्रय कर दिया। पूर्व विधायक का कहना है कि उक्त मामले की उनके द्वारा की गई शिकायत के आधार पर जांच में यह तथ्य प्रमाणित हुए। अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रकरण कलेक्टर मुरैना को भेजा गया, जिस पर उनके द्वारा राजनीतिक दबाव में कोई कार्यवाही नहीं की गई। कलेक्टर मुरैना की इस मनमानी के विरोध में उन्होंने उच्च न्यायालय ग्वालियर खंडपीठ में याचिका क्रमांक 19772/2021 दायर की गई। माननीय उच्च न्यायालय में कलेक्टर मुरैना पर भरोसा व्यक्त करते हुए कार्यवाही के लिए मामले को उनके संज्ञान में लाने का निर्देश दिया। न्यायालय के आदेश पालन में उनके द्वारा 5 मई 2022 एवं 25 जुलाई 2022 को न्यायालय के आदेश के साथ पत्र लिखकर कार्यवाही का अनुरोध किया लेकिन आज दिनांक तक उनके द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई है। मिश्रा ने बताया कि कार्यवाही करने के लिए कलेक्टर मुरैना ही अधिकृत हैं के बावजूद कलेक्टर मुरैना राजनैतिक दबाव में अपने पदीय कर्तव्यों को भूलकर कार्यवाही नहीं कर रहे हैं।

विधानसभा को भी कर रहे हैं गुमराह

पूर्व विधायक मिश्र ने बताया कि इस मामले में मध्यप्रदेश विधानसभा में 23 जुलाई 2019 को पूछे गए प्रश्न क्रमांक 3264 एवं 3677 के उत्तर में भी कार्यवाही किए जाने के लिए आश्वासन दिया जा चुका है। लेकिन राजनीतिक दबाव में मामले में कोई कार्यवाही नहीं कर विधानसभा को भी गुमराह किया जा रहा है। विलंबित प्रकरण में मध्य प्रदेश धार्मिक न्यास एवं आयुक्त ग्वालियर द्वारा भी कार्यवाही का प्रतिवेदन चाहा गया है। कलेक्टर द्वारा फिर भी अभी तक या प्रतिवेदन नहीं भेजा गया है।

निःशुल्क कैंसर जागरूकता एवं जांच शिविर आज

मुरैना। क्लब मुरैना वेस्ट लॉयन्स परिवार मुरैना के सामूहिक प्रयास से निःशुल्क कैंसर जागरूकता एवं जांच शिविर का आयोजन आज 07 अक्टूबर 2022 शुक्रवार सुबह 10 से दोपहर 02 बजे तक हरी निर्मल हॉस्पिटल पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पर आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में एसआरजे, सीबीसीसी कैंसर हॉस्पीटल, इन्दौर के कैंसर विशेषज्ञ से परामर्श करने का सुनहरा अवसर मुरैना के लोग प्राप्त कर सकते हैं। इस शिविर में कैंसर सर्जन गोल्ड मेडलिस्ट डॉ. साकेत मित्तल मरीजों का परीक्षण करेंगे। डॉ मित्तल ने बताया कि कैंसर के छः लक्षण होते हैं जिनके बारे में आपको जानकारी होनी चाहिए। कैंसर के लक्षणों में मुँह या जीभ में घाव या छालों का बहुत दिनों तक ठीक न होना, बदहजमी और कुछ भी निगलने में समस्या होना मल त्यागने या मूत्राशय की आदत में बदलाव या खून आना, खाँसी आना या गला बैठ जाना, स्तन या शरीर के किसी भी हिस्से में गाँठ होना किसी भी प्रकार का घाव न भरना आदि शामिल है। क्लब के अध्यक्ष अमित कुमार गुप्ता सचिव प्रमोद सिंघल एवं कोषाध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल ने बताया कि शिविर में आने वाले मरीजों की ब्लड शुगर ईसीजी एवं ब्लड प्रेशर की जांच निःशुल्क की जावेगी।

नगरवासी नरक में जी रहे और मनाया जा रहा है गौरव दिवसः राकेश मावई

-विधायक ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर पूछा, किस बात का मनाया जा रहा गौरव दिवस

मुरैना। विधायक राकेश मावई ने नगर निगम प्रशासन द्वारा मनाए जा रहे नगर गौरव महोत्सव को लेकर सवाल खड़े किए और मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर 15 बिंदुओं पर जवाब मांगा है उन्होंने कहा कि मुरैना में गौरव दिवस क्यों मनाया जा रहा है, क्या मुरैना शहर की समस्त जनता सुविधायुक्त जीवन जी रही है ? क्या सभी खुश हैं, वर्तमान में जिस हालत में मुरैना की जनता रह रही है, इसका आकलन आपने किया है, नहीं किया है तो उपरोक्त बिंदुओं पर नया डालें और उनका जवाब दें। विधायक ने पत्र में जिन बिंदुओं का जिक्र किया है उनमें मुख्यमंत्री से सवाल पूछे हैं और बताया है कि गौरव दिवस किस बात का है। शहर गंदगी के ढेरों से पटा हुआ है एवं शहर भर की गलियों की सड़कें टूटी पड़ी हैं, शहर के कई वार्डों में पीने के पानी की पाइप लाइन तक भी नहीं है, आमजन आज महंगाई के कारण अपने त्योहारों को अच्छे से मना नहीं पा रहा, बताऐं क्या यह गौरव की बात है, गरीबों को मिलने वाले राशन को कटौती करके बांटा जा रहा है, शहर में आवारा पशुओं का झुण्ड सडकों पर घूम रहा है जो कई दुर्घटनाओं का कारण बन रहा है, शहर में हाथ ठेले वाले मारे-मारे घूर रहे है, उनकी आज तक कोई स्थाई व्यवस्था तक नहीं हुई है, शहर में जबरदस्त लाईट कटौती हो रही है, बिजली के बिल बढ-चढकर दिये जा रहे है, नगर निगम में निर्माण कार्य विकास के लिए पैसा नहीं है और 40 लाख रुपये गौरव दिवस मनाने के लिए खर्च किया जा रहा है, मुरैना जिले में अन्नदाताओं पर खाद्य के बदले लाठिया पड़ रही हैं, किसानों को खाद्य नहीं मिल रहा है, शहर भर में कई सड़कों के शिलायान्स हो जाने के बाद भी अभी तक निर्माण कार्य नहीं हुए हैं, प्रदेश की सरकार मुरैना शहर में कांग्रेस विधायक एवं कांग्रेस का महापौर होने के कारण शहर के विकास कार्यों में भेदभाव कर रही है, शहर में बिजली के तार जर्जर हालत के कारण कई दुर्घटनाऐं हो रही हैं, शहर के कई वार्डों में सड़कें एवं नालियां तक भी नहीं बनाई है, शहर में गोवर व गंदगी के ढेर पड़े हुए हैं।

ब्रह्माकुमारी केन्द्र में छप्पन भोग के साथ हुआ नवरात्रि महोत्सव का समापन

मुरैना। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय जीवाजी गंज होली हाउस मुरैना केंद्र पर नवरात्रि महोत्सव पंडाल मैं नौ देवियां चैतन्य रूप में विराजमान की गई, साथ ही छप्पन भोग भी लगाया गया। नवरात्रा के अंतिम दिवस की आरती सूरजभान ऑइल्स प्राइवेट लिमिटेड गोविंद बंसल द्वारा की गई। साथ ही इस केंद्र के सभी भाई-बहनों ने नौ देवियों की आरती की, तत्पश्चात बी.के. रितिका बहन द्वारा सभी नौ देवियां के बारे में जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर डॉ. आरसी बांदिल पूर्व सीएमएचओ द्वारा भी एक-एक करके सभी देवियों के दिव्य गुणों को बताते हुए कहा कि नवदुर्गो में भक्त जो व्रत रखते हैं, उन्हें सही मायने में व्रत रखने का मतलब अपनी बुराइयों का त्याग करना चाहिए और अपनी एक बुराई आज त्याग करने का वृत लेना है। राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी रेखा बहन ने देवियों की पूजा करने एवं आरती करने बारे में सभी भक्तजनों को बताया कि अंत में बहनों द्वारा गरबा और डांडिया प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कुछ माताओं ने बीके.रितिका बहन का चुनरी उड़ाकर श्री फल भेंट कर सम्मान किया। आयोजन के अंत में सभी भाई बहनों को अन्नकूट का प्रसाद वितरण किया गया।

नवदुर्गा समापन पर दशहरा के दिन किया दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन

अंबाह। बुधवार को इलाके में शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण क्षेत्र में नवरात्रि के अवसर पर स्थापित दुर्गा प्रतिमा एवं कलश विसर्जन में श्रद्धालुओं का जबरदस्त उत्साह दिखा। विसर्जन को देखने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े। कलश का विसर्जन जहां बुधवार की सुबह किया गया। वहीं प्रतिमा का विसर्जन अभी जारी है, जो देर रात तक चलेगा। यह विसर्जन चंबल, क्वारी नदी सहित स्थानीय तालाब व पोखरों में किया जा रहा है। विसर्जन के दौरान नगर में स्थापित दुर्गा प्रतिमा एवं कलश विसर्जन का नजारा सबसे अलग देखा गया श्रद्धालुओं ने नम आंखों से दुर्गा माता को विदाई दी। इस अवसर पर शहर भर में चल समारोह निकाले गए माथुर वैश्य समाज द्वारा उपाध्याय जी महाराज के सानिध्य में चल समारोह निकालकर माता का विसर्जन किया गया। इस अवसर पर भजन कीर्तन का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

विजयादशमी पर क्षत्रिय युवा संगठन ने निकाला श्रीराम का भव्य चल समारोह

समाज की प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

कैलारस। क्षत्रिय युवा सगठन के द्वारा विजयादशमी के पर्व पर कैलारस में भगवान श्रीराम जी का भव्य चल समारोह आंतरी रेस्ट हाउस से अलोपी शंकर बाबा की बगिया लक्ष्मीनारायण मंदिर क्षत्रिय धर्मशाला तक निकाला। चल समारोह के उपरांत यहा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि हम सबके आराध्य प्रभु श्रीराम जी की उपस्तिथि में यह कार्यक्रम हुआ। चल समारोह, आंतरी से शुरू होकर कैलारस के मुख्य मार्ग एम एस रोड से होते हुए लक्ष्मीनारायण मंदिर क्षत्रिय धर्मशाला मयूर वन में समापन हुआ। समारोह में सम्मलित सभी क्षत्रिय बंधु केसरिया साफा पहनकर चल समारोह की शोभा बड़ा रहे थे। चल समारोह में भव्य झांकियां देखने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। चल समारोह का अग्रवाल नवयुवक मंडल ने थाने के सामने, हिमांशु लॉज के सामने बंटी, दिलीप, किशोर सेठ एवं टीम ने, आदर्श नगर के सामने सिकरवार परिवार ने, सिंघल परिवार नेपरी वालो ने, हॉस्पिटल सामने सूरज रजोधा टीम ने, पहाड़गढ़ तिराहे पर धाकड़ समाज से रामखिलाडी धाकड़ ने, थाने के सामने सोनू शर्मा शेखपुर ने, थाने के बगल से फिरोज खान फल वालों ने, पुरानी सब्जी मंडी पर स्वस्तिक स्कूल के केके गुप्ता ने, रेलवे स्टेशन के सामने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जौरा के अध्यक्ष भानुप्रताप सिंह सिकरवार चिंटू भैया ने, रेलवे स्टेशन के सामने अग्रवाल स्वीट्स ने, बस स्टैंड पर राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला कार्यक्रम अधिकारी केसी बंसल एवं टीम ने सभी ने तरह-तरह की मिठाई कोल्ड ड्रिंक, फल, आइस्क्रीम, जलपान कर स्वागत किया एवं भगवान श्रीराम को माल्यार्पण कर पूजा अर्चना की। समारोह में एकता और शांति की झलक देखने के लिए सभी सम्मलित क्षत्रिय बंधु सफेद पोशाक धारण कर केसरिया पगड़ी में अनुशासन से प्रभु श्री राम जी और महाराणा प्रताप जी के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। इस बार इस विजयादशमी पर चल समारोह के साथ-साथ प्रतिभा सम्मान समारोह भी रखा गया, जिसमें समाज के होनहार छात्र-छात्राओं जिनके 10 वीं और 12 वीं में 85% से ऊपर प्राप्त किए थे एवं क्षत्रिय समाज के उच्च पदों पर चयनित अधिकारियों (कम से कम राजपत्रित) को प्रमाण पत्र व शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिससे समाज में युवाओं में आगे बढ़ने की कुछ अच्छा करने की इच्छा जाग्रत हो। समारोह की अध्यक्षता अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा कैलारस के अध्यक्ष उम्मेद सिंह सिकरवार ने की एवं समारोह का संचालन बीआरसीसी कैलारस दफेदार सिंह सिकरवार ने किया। समारोह में अतिथि के रूप में जौरा विधायक सूबेदार सिंह सिकरवार रजोधा, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वृंदावन सिंह सिकरवार, जौरा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह सिकरवार (चिंटू), भारतीय जनता पार्टी मुरैना के महामंत्री अरविंद सिंह सिकरवार (गुडुआ खिडोरा), श्री राजपूत करणी सेना प्रदेश महामंत्री जीतेंद्र सिंह सिकरवार (बागचीनी), उदयभान सिंह जादौन, आशीष सिकरवार, जौरा नगर पालिका से पार्षद रविन्द्र सिंह सिकरौदा, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा से गजेंद्र राठौर आदि लोगों की गरिमामयी उपस्थित रही।

अंडर ब्रिज के लिए,श्रमिक भूख हड़ताल 65 वें दिन भी चलती रही

कैलारस। उत्तर मध्य रेलवे ने ब्रॉडगेज निर्माण के कार्य में कैलारस नगर को दो भागों में बांट दिया है। आधी से ज्यादा आबादी अस्पताल जाने के लिए श्मशान और कब्रिस्तान जाने के लिए भी मोहताज है। परंपरागत सभी रास्ते बंद किए जा रहे हैं। इसके विरोध में नागरिकों की ओर से 65 दिनों से क्रमिक भूख हड़ताल कृष्ण मार्ग पर अंडरब्रिज बनाने हेतु शासकीय अस्पताल के परंपरागत रास्ते को बहाल रखने की मांग को लेकर चलाई जा रही है। भूख हड़ताल नागरिकों की ओर से निरंतर जारी है। इससे पहले धरना, प्रदर्शन, सत्याग्रह, ज्ञापन, आवेदन आदि दिए गए हैं। परंतु लोकहित में कोई सुनवाई नहीं हो रही है। 65 वें दिन भूख हड़ताल पर बाबूसिंह सिकरवार, डॉ दशरथ सिंह कुशवाह, मुन्ना लाल गौड़, नरेश जाटव आदि बैठे। उनको भूख हड़ताल पर अनिल सोलंकी द्वारा माल्यार्पण कर बैठाया गया। उनके समर्थन में धरने पर राकेश सिंह सिकरवार, मिथुन जाटव, सूरज जाटव, राजू शाक्य, गोपाल कढेरा, नरेश रंजक, रामदयाल जाटव आदि बैठे। आगे नागरिकों ने आंदोलन और तेज करने का निर्णय लिया है।

लायंस क्लब के निःशुल्क नेत्र जांच शिविर में मोतियाबिंद के 10 ऑपरेशन संपन्न

मुरैना। लायंस क्लब मुरैना बेस्ट एवं लॉयन्स परिवार मुरैना के द्वारा लॉयन्स सेवा सप्ताह परोपकार के अंतर्गत गुरुवार 06 अक्टूबर को निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर नवज्योति नेत्रालय नैनागढ़ रोड मुरैना पर लगाया गया। शिविर में 125 लाभार्थियों ने अपनी आंखों की निःशुल्क जांच करवाई एवं 10 मरीजों के निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन किए गए। जिसमें मुरैना शहर के पांचो लायंस क्लबों ने भरपूर संख्या में सहयोग देकर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रांत की रीजन चेयरपर्सन किरण गुप्ता, जोन चेयर पर्सन सपना बंसल, जोन चेयर पर्सन कौशल मंगल, सेवा सप्ताह संयोजक निधि गुप्ता, कार्यक्रम संयोजक राजेश गुप्ता, रीजन सचिव रश्मि बंसल, लायंस क्लब मुरैना वेस्ट अध्यक्ष अमित कुमार गुप्ता, विवेक मित्तल, दीपक भोला फील्ड रिस्पांस आफीसर, बी एल टुन्डेले सीनियर सिटीजन पेंशनर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष, लायन्स क्लब मुरैना मयूरवन अध्यक्ष अविनाश अग्रवाल, लायंस क्लब मुरैना अध्यक्ष संजय गुप्ता, प्रमोद सिंघल, रेखा बांदिल, बबिता जैन, संजय गोयल, श्याम सुंदर अग्रवाल, माधव गोयल, राजेश गोयल, मनोज अग्रवाल, मनोज सिंघल, निशा गर्ग आदि उपस्थित रहे। लायंस क्लब के अध्यक्षों ने अवगत कराया कि सेवा सप्ताह परोपकार 2 अक्टूबर 2022 से प्रारंभ होकर 9 अक्टूबर 2022 तक सेवा कार्यो से निरंतर प्रयासरत रहेगा। सेवा सप्ताह के सात दिवसीय कार्यदिवस में कैंसर जागरूकता अभियान शिविर 7 अक्टूबर, मधुमेह जांच शिविर 8 अक्टूबर, दिव्यांग सहायता एवं सेवा सप्ताह समापन समारोह 9 अक्टूबर को किया जाना निश्चित किया गया है एवं सेवाभाव पूरे वर्ष भर निरंतर जारी रहेगा, ऐसा आश्वासन दिया गया।

खेल हमे मानसिक शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रखते है-अनुरुद्ध सिंह

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह-खेल हमे शारीरिक मानसिक रूप से पूर्णतः स्वस्थ्य रखने का काम करते है।उक्त बात युवक कॉंग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय सचिव अनुरुद्ध सिंह ने दंगल समापन पर कही।उन्होंने कहा कि आज युवा को मोबाइल,इंटरनेट से निकल कर खेल में अपना दम खम दिखाए जो शरीर के लिए बहुत उपयोगी हैं।दबोह में दशहरे पर आयोजित दंगल को देखने का सौभाग्य मिला।पहलवानों ने अपने दांवपेच दिखाए काफी अच्छी कुश्तिया देखने को मिली साथ ही उन्होंने सभी क्षेत्रबासियो को दशहरे की शुभकामनाएं दी।इस दंगल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में युवक कॉंग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय सचिव अनुरुद्ध सिंह,विशिष्ट अतिथि के रूप में शिव नारायण दुबे,अध्यक्षता ब्लॉक कॉंग्रेस अध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने की।सर्वप्रथम माँ बीजासेन की पूजा अर्चना की गई।इसके पश्चात दंगल शुरू किया गया।दंगल के प्रारंभ में छोटी मोटी कुश्ती कराई गई।जैसे जैसे बहार से बड़े पहलवान आते गए वैसे ही लोगो को अच्छी कुश्तियां देखने को मिली।इस दंगल में सबसे बड़ी और अंतिम कुश्ती पन्द्रह हजार की हुई जो अभिषेक दिल्ली और रवि झांसी के बीच हुई।जो विना निर्णय के ही समाप्त हुई तो वही दूसरा मुकाबला डब्लू बघावली दतिया और गजेंद्र झांसी के बीच हुआ।जिस पर ग्यारह हजार की झंडी लगी हुई थी यह मुकाबला भी बराबरी पर छूटा।वहीं तीसरी कुश्ती इक्कतर सौ के लिए नकुल फिरोजाबाद और शिवम झांसी के बीच हुई जिसे शिवम ने आसानी से चारों खाने चित कर दिया।यह दंगल अपने निर्धारित समय 2 बजे से प्रारंभ हुआ और देर शाम तक चला जिसे देखने के लिए नगर के साथ साथ ग्रामीण अंचल से हजारों लोग पहुंचे।यहां बता दे कि कई पहलवान देर से पहुचें जिससे उनकी कुश्ती नही हो पाई।इस दंगल में दिल्ली,पंजाब,तथा स्थानीय जिले भिंड,झांसी, मुरैना,दतिया,ग्वालियर के पहलवान पहुंचे थे।दंगल के समापन पर बीजासेन समिति की ओर से पहलवानों को गदा देकर पुरुस्कृत किया गया।इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि नरेंद्र दुधारिया,उपाध्यक्ष हाकिम चौधरी,पार्षदगणो में सुधीर तिवारी,जगमोहन तेहरिया,दिनेश कौरव,लालता कुशबाह,पार्षद प्रतिनिधि मुन्ना कौरव,शेरे पठान,शिवम श्रीबास्तव,अरविंद गुप्ता,दुर्गा प्रसाद राठौर,माधव यादव,मेहताब,नारायण,नगर परिषद अधिकारी बाबूलाल कुशबाह,मुख्य लिपिक नारायण सिंह,अरुण तिवारी,पुष्पेंद्र यादव,विजय दोहरे,शकील खान,इस दंगल के निर्णायक खलीफा गुलाब यादव,कल्याण सिंह,ज्ञान सिंह बघेल,मानसिंह रहे।वहीं असवार थाना प्रभारी अभिषेक राय व दबोह थाना पुलिस भी दंगल का आनंद लेते नजर आई।

मध्य प्रदेश कर्मचारी कांग्रेस ने दिया मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-खबर ज़िला मुख्यालय कलेक्ट्रेट परिसर से है जहाँ आज कर्मचारी संघ ने ज्ञापन देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश कर्मचारी कांग्रेस ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया कि माध्यमिक विद्यालयों विज्ञान विषय को प्रथम अनिवार्य विषय में सम्मिलत किया जावे जिससे कि विज्ञान के शिक्षकों की अतिशेष होने की समस्या से निजाद मिल सके

वर्तमान पद संरचना में विज्ञान विषय को पांचवा पद माना गया है जिसके कारण विज्ञान विषय से माध्यमिक विद्यालयों में छात्र इस विषय से वंचित हो रहे हैं ज्ञापन में सतीश वर्मा दौलत राम वर्मा रामहेत शर्मा शशांक राठौर गणेश धाकड़ भगवती प्रसाद कबीर गोपाल गैमिनी श्रवण वाथम श्रीमति नीरजा पाठक विनीता हिंगवार विषणुप्रसाद कुशवाह रेखा वर्मा गिर्जेश राठौर लक्षमन रावत मनोज श्रीवस्तव सेवकराम वर्मा एवं अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे

पंखिडा रे उड़ने जाइजे पावागढ़ रे, महाकाली ने जाइने कह्जो गरबे रमे रे.. गीतों से गूंज उठा आईमाता मन्दिर परिसर

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरु- शहर के मागड़ी रोड़ स्थित सीरवी समाज बेंगलुरू पश्चिम् सुकंदकट्टे के तत्वावधान में नौ दिवसीय नवरात्रि महोत्सव का समापन मंगलवार को हर्षौल्लास से सम्पन्न हुआ। आईमाता मन्दिर परिसर मां शक्ति की भक्ति में सराबोर रहा। नौ दिवसीय चले नवरात्रि महोत्सव में कई कार्यक्रम हुए । आखिरी दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे । इस महोत्सव में भजनो के अलावा शाम को महिलाओं व युवतियों के लिए डांडिया व गरबा रास का आयोजन किया गया जिसमें समाज की युवतियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। पुरुषों ने दुर्गा माता की पूजा कर अतिथियों का सम्मान किया। बच्चों द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए गए। भानाराम सीरवी ने बताया की भजन गायक सरवण माली ,ओमप्रकाश पंवार व राजुराम चोयल ने एक से बढ़कर एक माताजी के भजनों की प्रस्तुतियां दी। घीसुलाल चोयल ने पुजारी व आगन्तुको का सम्मान किया। कार्यक्रम में संरक्षक इन्द्र लाल सोलंकी, वेनाराम बर्फा, संघ के अध्यक्ष रूगाराम चोयल, सचिव हनुमान राम बर्फा,,कोषाध्यक्ष घीसाराम सोलंकी, व सुकंदकट्टे बडेर की कार्यकारिणी कमेटी एवं आईजी गैर मंडल,महिला मंडल,भजन मंडल, सेवा संघ सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ह्स्त्रश्श्च कोलारस विजय कुमार यादव को दी ओबीसी महासभा के पदाधिकारियों ने बधाई

अरुण कुशवाह रिपोटर पुष्पांजलि टुडे

कोलारस ओबीसी महासभा के पदाधिकारियों ने ह्यस्त्रश्श्च कोलारस विजय कुमार यादव को ऑफिस पर जाकर बधाई दी बधाई देने बालों में गिर्राज सिंह दुल्हारा कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा , मोहन सिंह धाकड़ प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मोर्चा , अरविन्द सिंह कुशवाह प्रदेश कोषाध्यक्ष छात्र मोर्चा , अंकित सिंह धाकड़ (सेवड़ा) जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा आम आदमी पार्टी शिवपुरी , सुनील शर्मा कोलारस बृजेन्द्र धाकड़ शंशाक सिंह चौहान आदि लोगो ने बधाई दी

एनसीसी कैडेटों ने सीखे बुजुर्गो की सेवा के संस्कार

भोपाल/विदिशा। 14 एमपी बटालियन के कमांडिंग ऑफीसर कर्नल अरविंद राणा के साथ एनसीसी कैडेटों ने श्री हरि वृद्ध आश्रम का भ्रमण कर बुजुर्गो की सेवा के संस्कार सीखे. इस दौरान सभी एनसीसी कैडेटों ने वृद्धों से मिलकर बातचीत की एवं उनके अनुभवों को जाना और समझा। इस दौरान कमांडिंग ऑफीसर द्वारा 16 कुर्सियों, राशन एवं फलों का वितरण भी किया गया। कमांडिंग ऑफिसर द्वारा बताया गया कि हमारे देश के युवा इस तरह से सोचें कि हमारे घर के बुजुर्गों को वृद्धाश्रम तक ना आना पड़े। कैडेट इस अनुभव को समझें और अपने घरों में बुजुर्गों का ध्यान रखें व उनका सम्मान करें। कर्नल अरविन्द राणा ने बताया कि हमारा भ्रमण भी सामाजिक सेवा का एक हिस्सा है एवं कैडेटों को मानवता एवं संवेदना का पाठ पढ़ाया जाना चाहिए। इन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि बुजुर्गों के आशीर्वाद से ही हम सब लोग अपने जीवन में मुकाम को प्राप्त कर पाते हैं। लेफ्टिनेंट कर्नल यश छिब्बर ने कहा कि मैं जहां जहां पर भी पदस्थ रहा हूं मेरी कोशिश रहती है कि मैं बुजुर्गों के साथ मिलकर यथासंभव मदद करूं। एनसीसी कैडेटों ने बुजुर्गों के साथ बैठकर भजन कीर्तन किया और उनकी कहानियां सुनी। इस आयोजन में बटालियन के लेफ्टिनेंट विनोद सिंह, ट्रेनिंग जी सीओ सूबेदार पोपट गुले, एनसीसी ऑफिसर कैप्टन रामानंद मिश्रा, लेफ्टिनेंट विनीता प्रजापति, सीटीओ उषा टिग्गा, सीटीओ मुकेश आजाद भी मौजूद रहे।

मामा तेरे शासन में बड़ा घोटाला राशन में: शासन की ओर से दिए जाने वाला राशन नही पहुंच रहा हितग्राहियों तक

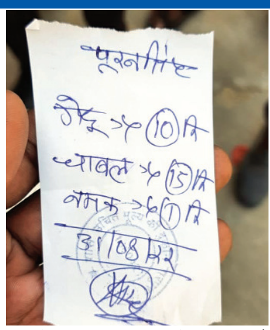

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह-एक ओर जहाँ प्रदेश सरकार द्वारा गरीबो को राशन देने के लिए नई नई योजनाएं चलाई जा रही है।वहीं कस्बे में संचालित उपभोक्ता भंडार के सेल्समैन सरकार को पलीता लगाने से बाज नही आ रहे हैं।मामला भिंड जिले के अंतिम छोर पर बसे नगर दबोह का है जहाँ पर शासन के द्वारा हर माह हितग्राहियों को दिए जाने वाले पीएम व सीएम योजना का राशन हितग्राहियों तक नही पहुंच पा रहा है।उक्त शासकीय उचित मूल्य की दुकान से अंधियारी,मारपुरा गांव का राशन बांटा जाता है।जो कि दबोह क्षेत्र में माँ रणकौशला देवी मंदिर के पास सन्चालित है।उक्त दुकान के सेल्समैन द्वारा हितग्राहियों को महीने में पीएम व सीएम योजना यानि की महीने में दो बार दिए जाने वाला राशन सिर्फ एक ही बार दिया जा रहा है।जो कि शासन के नियमो के विरुद्ध है।बीते रोज हितग्राही व सेल्समैन का आपस मे बातचीत का ऑडियो भी वायरल हुआ था जिसमे हितग्राही के पुत्र द्वारा महिने में एक ही बार राशन देने की बात कही गई।जिसमें सेल्समेन ने स्वयं माह में एक ही बार राशन देना कबूला।उसके बाद भी वरिष्ठ खाद्य अधिकारी लहार के कानों में जू तक न रेंगी।सूत्रों की माने तो लहार खाद्य अधिकारी की मिली भगत से सेल्समैन द्वारा शासन को चूना लगाने का काम किया जा रहा है।क्योंकि उक्त उचित मूल्य की दुकान पर हितग्राहियों को राशन बाँटते समय मशीन की पर्ची न देते हुए हाथ से बनी पर्ची उपलब्ध कराई जाती है जिससे हितग्राही डबल मिलने बाले राशन की योजना से बंचित रहता है।वहीं उक्त दुकान के जिन गांवो में राशन बांटने के लिए अधिकृत है वहां राशन न बांटते हुए दबोह क्षेत्र के माँ रहकोला मंदिर कर पास बने गोदाम से राशन बांटा जाता है।उक्त दुकाम के बाहर शासन के नियमो के अनुसार न तो दुकान का न नाम अंकित है और न ही कोई रेट सूची व गरीबो को शासन की ओर से मिलने वाली योजना का कोई पम्पलेट या पोस्टर।यहां बता दें कि नगर में संचालित यह उपभोक्ता भंडार आए दिन राशन बेचने के लिए चर्चित है जहाँ पर राज्य शासन की नीती के अनुसार उचित मूल्य का सामान उपभोक्ताओं के लिए बिक्रय किये जाने की व्यवस्था की गई है लेकिन इस दुकान के सम्वन्ध में कोई उचित प्रबन्ध संचालको द्वारा नही किया गया है जैसे-उचित मूल्य की दुकान के सहज गोचर स्थान खुलने का समय व दिन तारीख,स्टॉक सूचि,रेट फिक्स आदि आवश्यक सूचनाये न लगाया जाना सन्देह के घेरे में है,इसलिये पारदर्शिता न होने के कारण इन उचित मूल्य की दुकानों में भृष्टाचार भी चरम सीमा पर चल रहा है इसमें उपभोक्ता को छला जा रहा है।फिलहाल तो यह सब न होना व हितग्राहियों के साथ छल करना एक अलग ही ओर इशारा करता है।अब देखना यह होगा कि वरिष्ठ अधिकारी महोदय उक्त सेल्समैन पर क्या कार्यवाही करते हैं।

इनका कहना

1-जल्द ही टीम भेजकर जांच कराते हैं।

आर ए प्रजापति
एसडीएम लहार

वर्षा ने डाला खलल, रावण, कुंभकर्ण व मेघनाथ के पुतलों का दहन करने पेट्रोल का लेना पड़ा सहारा

भोपाल। राजधानी में बुधवार को विजयदशमी पर्व मनाने का उत्साह दोगुना दिखा। कोरोना के कारण दो साल बाद शहर में करीब दो दर्जन स्थानों पर सार्वजनिक रावण दहन के आयोजनों में वर्षा ने खलल डाला। दिन में हुई वर्षा से अलग-अलग मैदानों पर खड़े रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतले भीग गए। इससे पुतलों का दहन करने में आयोजन समितियों के पसीने छूट गए। बड़ी मुश्किल से पेट्रोल का सहारा लेकर पुतलों का दहन किया गया। इतना ही नहीं मैदान पर कीचड़ होने से आयोजन समितियों द्वारा की गई व्यवस्थाओं को भी पलीता लग गया।

भीगते पानी में रावण का दहन किया गया

मंत्री विश्वास सारंग और महापौर छोला दशहरा मैदान पर आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में शामिल हुए, बारिश के बाद भी विश्वास सारंग ने सभाा को संबोधित किया, वहीं दर्शकों ने पानी से बचने के लिए सिर पर कुर्सी लग ली थी। टीटी नगर और बिट्टन मार्केट दशहरा मैदान पर अतिशबाजी के दौरान पटाखे फूटे तो चिंगारियां बैठे लोगों पर गिरीं। इससे लोग कुर्सियों से भागते दिखे। इससे भगदड़ मच गई, हालांकि इन घटनाओं से कोई जनहानि नहीं हुई। वहीं, मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय मैदान पर वर्षा से भीगने से रावण के पुतले की गर्दन गिर गई। बिट्टन मार्केट में रावण का पुतला गिर गया। कुंभकर्ण, मेघनाथ के पुतले हर साल की तरह धू-धू करके नहीं जल सके। इसी तरह अयोध्या नगर, अवधपुरी, छोला, कजलीखेड़ा, बंजारी कोलार, कलियासोत, भेल दशहरा मैदान सहित अन्य सार्वजनिक

स्थानों व कालोनियों में पेट्रोल व पटाखों का सहारा लेकर रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतलों का दहन किया गया। रावण दहन के आयोजन शाम छह बजे से शुरू होने थे, जो आठ बजे तक आरंभ हो सके, तब कहीं जाकर रावण, कुंभकर्ण, मेघनाद के पुतलों का दहन हो सका। वर्षा तेज थी, इसलिए पुतलों को भींगने से बचाने के लिए कहीं तिरपाल डाली, कहीं पालीथीन डाली गई, लेकिन ऊंचाई अधिक होने से पुतलों को भीगने से नहीं बचाया जा सका।

टीटी नगर में हुआ रावण दहन

टीटी नगर में हुए रावण दहन के आयोजन में मुख्य अतिथि के तौर पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल और चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग मौजूद रहे। राज्यपाल पटेल ने कहा कि बारिश के बाद भी लोग बड़ी संख्या में यहां पहुंचे हैं, देखकर बहुत खुशी हुई।

गुजराती समाज ने किया रावण दहन

गुजराती समाज ने लिंक रोड-एक पर गुजराती भवन में दशहरा उत्सव मनाया। समाज के अध्यक्ष संजय भाई पटेल ने कहा कि आज असत्य पर सत्य की जीत हुई। सबको बधाई देता हूं। समाज के लोगों ने नशा न करने का संकल्प लिया। सामाजिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

टीवी कलाकारों ने किया मनोरंजन

105 फीट के रावण के पुतले का दहन हुआ। यहां बांदा, राजस्थान और मथुरा के कलाकारों द्वारा आसमानी और डिजिटल आतिशबाजी का प्रदर्शन किया गया। वहीं सलैया में टीवी मिमिक्री कलाकार ने कई फिल्म कलाकारों की आवाजें निकालकर लोगों को भरपूर मनोरंजन किया।

'महाकाल लोक' के लोकार्पण उत्सव का शुभारंभ सवारी से, वर्षा में पैदल चले सीएम शिवराज, कहा-सपना साकार हुआ

उज्जैन। विजय दशमी पर शाही ठाठ-बाट के साथ भगवान महाकाल की सवारी निकली। अवंतिकानाथ चांदी की पालकी में सवार होकर शमी वृक्ष पूजन के लिए दशहरा मैदान पहुंचे। दशहरा मैदान तक करीब सात किलोमीटर लंबे सवारी मार्ग पर राजाधिराज के स्वागत में प्रजाजन पलक पावड़े बिछाए खड़े थे। नगरवासियों को सवारी में अवंतिकानाथ की शाही शान के साथ मनोहारी झांकी के रूप में नवनिर्मित महाकाल लोक के दर्शन हुए। दिव्य व भव्य सवारी के साथ महाकाल लोक के सात दिवसीय लोकार्पण महोत्सव की शुरुआत सार्थक रही। तेज बारिश के बीच महाकाल की सवारी निकाली गई है। सीएम उज्जैन में रावण दहन कार्यक्रम में भी शामिल हुए। वर्षा के बीच भी सीएम शिवराज सिंह चौहान पैदल चले और लोगों का अभिवादन किया। दोपहर 3.30 बजे मंदिर के सभा मंडप में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने भगवान महाकाल के मनमहेश रूप का पूजन कर पालकी को नगर भ्रमण के लिए रवाना किया। इसके बाद मुख्यमंत्री पत्नी साधना सिंह के साथ डमरू बजाते हुए कोट मोहल्ला तक पैदल भी चले। सवारी में पुणे की नाद ब्रह्म ढोल पार्टी, इंदौर का राजकमल बैंड तथा मुंबई की आराध्या ढोल पार्टी राजा की शाही शान का बखान करते चल रहे थे। भस्म रमैया भक्त मंडल के झांझ-डमरू की मंगल ध्वनि भक्ति के उल्लास को दोगुना कर रही थी। हाथी, पुलिस का घुड़सवार दल, सशस्त्र बल की टुकड़ी, भजन मंडलियां, शहर के वरिष्ठ नागरिक,राजनीतिक दलों के पदाधिकारी कारवां में शामिल थे।

दुल्हन की तरह सजा मार्ग: भगवान महाकाल के नए शहर में आने की खुशी तैयारियों में झलक रही थी। सवारी मार्ग पर रंगोली बनाई गई थी। स्वागत द्वार तथा पुष्प सज्जा से फ्रीगंज क्षेत्र दमक रहा था । दुल्हन की तरह सजे मार्ग पर आकर्षक विद्युत सज्जा भी की गई थी।

100 से अधिक मंचों से पुष्प वर्षा: विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक व खेल संस्थाओं द्वारा सवारी मार्ग पर मंच लगाकर पालकी का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। विशेष स्थानों पर आतिशबाजी भी नजर आई। इसके पहले डीजीपी सुधीर सक्सेना ने महाकाल लोक का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुजारी प्रदीप गुरु के अनुसार शमी वृक्ष विजय का प्रतीक है। राजसी परंपरा में विजयदशमी पर राजा-महाराजा शमी वृक्ष का पूजन कर राज्य विस्तार के लिए प्रस्थान करते थे। लौकिक जगत में भगवान महाकाल उज्जैन के राजा हैं, इसलिए वे भी विजय दशमी पर प्रतिवर्ष शमी वृक्ष का पूजन करने दशहरा मैदान जाते हैं। इस बार भगवान महाकाल सवारी के साथ महाकाल लोक के उद्घाटन का सात दिवसीय उत्सव प्रारंभ हुआ। इसलिए सवारी को भव्य स्वरूप प्रदान किया गया है।

उत्सव में ये कार्यक्रम

- **7 अक्टूबर:** शास्त्रीनगर मैदान पर शाम सात बजे हेडवे क्रियेशंस ग्रुप दिल्ली द्वारा महादेव लेजर शो और राष्ट्रवादी सामान्य जनचेतना विकास द्वारा महानाट्य महाकाल गाथा का मंचन।
- **8 अक्टूबर:** शास्त्रीनगर मैदान पर शाम सात बजे मथुरा के प्रसिद्ध गायक पंडित सुखदेव चतुर्वेदी श्रीकृष्ण प्रणीत महाकाल स्त्रोतम का गान और महानाट्य महाकाल गाथा का मंचन।
- **9 अक्टूबर:** शास्त्रीनगर मैदान पर शाम सात बजे टेलीविजन शो इंडिया गाट टेलेंट में प्रस्तुति दे चुके वारियर स्क्वाड एवं बाम्बे फायर ट्रूप के कलाकारों द्वारा शिव गणेश स्तुति की प्रस्तुति और महाकाल गाथा का मंचन।
- **10 अक्टूबर:** दशहरा मैदान पर शाम सात बजे पद्मश्री पार्श्व गायक सोनू निगम द्वारा भगवान शिव के भजन और देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति।
- **11 अक्टूबर:** कार्तिक मेला मैदान पर शाम सात बजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा महाकाल लोक का लोकार्पण किया जाएगा और पद्मश्री गायक कैलाश खेर द्वारा शिव भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी।

भारत जोड़ो यात्रा, भारत छोड़ो यात्रा के समान, इस एतिहासिक यात्रा को सैकड़ों वर्षों तक याद रखा जाएगा- देवाशीष जरारिया

नगर के विभिन्न के मार्गों से होते हुए निकली भारत जोड़ो यात्रा, हजारों की तादात में सम्मिलित हुए कांग्रेसी।

गोहद। अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है इसी यात्रा से जुड़ने के लिए गुरुवार के दिन नगर नगर के विभिन्न मार्गो से होते हुए यात्रा निकली गई जिसमें हजारों कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। यात्रा की शुरुआत डाक बंगला तिराहा से हुई जो नया बस स्टैंड, अंबेडकर पार्क, इटली गेट, सदर बाजार, बाबा कपूर की गली, बड़ा बाजार, पुराना किला, गांधी पार्क, पुराना बस स्टैंड, पुनः सदर बाजार, पान वाली गली, सती बाजार, भानु की घटिया, गंज बाजार होते हुए पुन~ डाकबंगला तिराहा पर सभा में परिवर्तित हो गई। डाक बंगला चौराहा तिराहा पर सभा को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय विधायक मेवाराम जाटव ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा 20 नवंबर तक मध्य प्रदेश में आएगी जो 16 दिन तक मध्यप्रदेश में रहेगी भिंड, दतिया, मुरैना जिलों से आने वाली भारत जोड़ो यात्रा ग्वालियर से जाने वाली यात्रा में मिल जाएंगी। उन्होंने कहा कि आज खाद की, लाइट की, स्कूलों की, पानी, सड़क आदि की समस्या है यह सरकार किसान विरोधी सरकार है जिसे हमें उखाड़ फेंकना है इसके लिए आप सभी से आग्रह है कि आप सभी भारत जोड़ो

यात्रा में हमारा साथ दें, हमारा साथ देकर कांग्रेस को मजबूत करें। पूर्व लोकसभा प्रत्याशी देवाशीष जरारिया ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा कोई मामूली यात्रा नहीं है जिस प्रकार आजादी के समय अंग्रेजों भारत छोड़ो यात्रा को नहीं कोई भूला जा सकता इसी प्रकार हमारे नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को सैकड़ों वर्षो तक याद किया जाएगा इस यात्रा में जिन लोगों को भाग लेने का सौभाग्य मिल रहा है उनकी आने वाली पीढ़ी उन्हें हमेशा याद रखेगी उन्होंने कहा कि यह यात्रा कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक जाएगी इस यात्रा से लगभग 50 करोड़ से अधिक लोग जोड़ेगे। इस यात्रा से भाजपा में बेचैनी है। क्योंकि राहुल गांधी की इस भारत जोड़ो यात्रा में रोजाना लाखों का जनसैलाब उमड़ रहा है। मंच को पार्टी के जिला अध्यक्ष मानसिंह कुशवाह, सेवा दल के अध्यक्ष संदीप मिश्रा महिला कांग्रेस की अध्यक्ष रेखा भदौरिया सहित कई अन्य पदाधिकारियों ने संबोधित किया ने भी संबोधित किया। मंच का संचालन ब्लॉक अध्यक्ष आशीष गुर्जर ने किया। भारत जोड़ो यात्रा में मुख्य रूप से विधायक मेवाराम जाटव के साथ पार्टी के जिला अध्यक्ष मान सिंह कुशवाह पूर्व लोकसभा प्रत्याशी देवाशीष जरारिया, सेवा दल के अध्यक्ष संदीप मिश्रा महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष रेखा भदौरिया, आशीष गुर्जर, जगदीश माहौर, गणेशराम शर्मा, संग्राम तोमर कृष्णा कुशवाह, संजीव यादव, सोनपाल यादव, कल्लू गुर्जर, उपेंद्र यादव, सामंत सिंह तोमर, करू पवैया, बॉबी जर्मन, महेश कौशल, ओम प्रकाश माहौर, संजू तोमर, हसीन खान, अकरम चौधरी, साबू खांन, रमजानी खान, रामसहाय माहौर, सिक्की कांकर, बालकिशन माहौर, राजेन्द्र परिहार, बृजेन्द्र यादव, लालबहादुर जादौन, राजू गुर्जर, दिनेश गुर्जर, बंटी गुर्जर, तहसील शाह, रघुनाथ त्रिवेदिया, डीपी खन्ना, मुन्नेश शर्मा, रामहेत जाटव, रामरूप सिंह तोमर, गुट्टी शर्मा, मोहन सिंह सिकरवार, गणेश तोमर, पिंकी उच्चाडिया, सलीम बक्स राइन, जावेद खान, कैलाश माहौर, विजय निगम, राहुल उपाध्याय, बॉबी जर्मन, कैलाश जाटव, एड. पवन जाटव, रवि कुशवाह, सरनाम शर्मा, रमेश कुशवाहा, हरजिंन्दर जिंदा।

किसान नेता ने सरकार और कलेक्टर से पूछा कि गोहद राईस मिल में किसानो को 2 वोरी ष्ड्..क्क3 और वोरी यूरिया ही क्यों दिया जा रहा है?

महेंद्र शर्मा, उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

गोहद-भिंड। राजेश शर्मा, जिला सचिव, म. प्र. किसान सभा से प्राप्त जानकारी अनुसार किसान सभा के उपस्थित पदाधिकारी मंडल की बैठक गौहद में संपन्न हुई 7 बैठक में म. प्र. किसान सभा के जिला अध्यक्ष प्रेमनारायण माहौर,जिला महा सचिव राजेश शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश बाथम जिला उपाध्यक्ष नारायण शर्मा एवं जिला सचिव जनपद सदस्य राजकुमार जाटव मौजूद थे। बैठक में खाद संकट के बारे में चर्चा हुई।प्रेस को जानकारी देते हुऐ म.प्र. किसान सभा के जिला उपाध्यक्ष नारायण शर्मा ने बताया कि भा.ज.पा.की सरकार और प्रशासन किसानो को बर्बाद करने पर तुला है। किसान नेता ने सरकार और भिण्ड जिले के कलेक्टर से पूछा कि गौहद राईस मिल में किसानो को 2 वोरी ष्ठ..क्क3 वोरी यूरिया दिया जा रहा है..! ऐसा क्यों किसानों को जरुरत के अनुसार क्यों नहीं दिया जा रहा 7 किसान नेता ने कहा कि सरकार नकली खाद बेचने वाले माफियाओं से मिली हुई हैं। यही खाद मफिया भा.ज.पा.को चुनाव में मोटा चन्दा देते हैं।सरकार को किसानो की चिंता नहीं ..! खाद माफियाओं की ज्यादा चिन्ता है 7 किसानो को मजबूरन बाजार से ओने पोने दामों में खाद खरीदना पड़ रहा है। जिसकी असली होने की कोई गारंटी नहीं है।

स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत स्व सहायता समूहों की महिलाओं को मिल रही स्वावलंबी बनने के प्रेरणा

SBI बैंक से मिली स्व सहायता समूहों को 18 लाख की मदद

महेंद्र शर्मा, उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

मौ। स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत स्वयं का व्यवसाय करें महिलाएं स्वयं का व्यवसाय कर स्वावलंबी बने आज आजीविका मिशन योजना द्वारा ग्राम पंचायत खिरिया के अंतर्गत ग्राम डांग नरवा में संचालित 03 स्व सहायता समूहों को जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी अमृत लाल जी जिला प्रबंधक गब्बर सिंह जी के मार्गदर्शन में एसबीआई बैंक मो शाखा प्रबंधक खान साहब जी एवं आजीविका मिशन से सहायक विकास खंड प्रबंधक संजय शर्मा जी के सहयोग से तीन समूहों को 18 लाख की राशि स्वीकृत की गई 1.5 लाख रुपए प्रति एस एच जी कॉल 450000 रुपए की राशि सफल सफलतापूर्वक वितरण की गई समूहों की

गरीब महिलाओं ने एसबीआई बैंक उनके प्रबंधक को धन्यवाद देते हुए बताया कि इस ऋण राशि को हमारे समूह की महिलाएं अपनी रोजगार मूलक गतिविधियां कर अपना जीवन स्तर सुधारने में उपयोग करेंगे और स्वरोजगार अपनाकर मिशन पूर्ण करेंगे सहायता समूह के नाम और पदाधिकारी इस प्रकार लोड़ी माता एचएसजी से अध्यक्ष रामसखी एवं सचिव मालती दो शीतला माता एस एच जी समूह की अध्यक्ष रवि सचिव रामबेटी एवं तीसरे समूह रतनगढ़ माता एस एच जी की अध्यक्ष मीरा देवी सचिव सुनीता देवी आदि प्रमुख महिलाओं ने बैंक और परियोजना व समस्त अधिकारियों को धन्यवाद और आभार प्रकट किया है।

इंदौर में पटाखा दुकानों के लिए 15 सितंबर को जमा कराए चालान, अब तक जारी नहीं हुए लाइसेंस

इंदौर।

रीजनल पार्क के सामने पटाखा की दुकानें सज गई हैं, लेकिन जिला प्रशासन ने अब तक किसी भी व्यापारी को लाइसेंस जारी नहीं किया है। 15 सितंबर को थोक पटाखा व्यापारी एसोसिएशन की ओर से लाइसेंस के लिए चालान के साथ फीस जमा करवाई गई थी। प्रशासन लाइसेंस जारी होने में देरी के पीछे क्रिकेट मैच के आयोजन में अधिकारियों की व्यस्तता का बहाना बना रहा है। नियमानुसार बिना लाइसेंस लगी दुकानें अवैध करार दी जा सकती हैं।

थोक पटाखा बाजार के कारोबारी प्रशासन के रवैये से निराश और नाराज नजर आ रहे हैं। दरअसल, एसोसिएशन की ओर से मैदान में कुल 61 दुकानें बनाकर सदस्यों को बांटी गई हैं। ये वे सदस्य हैं जो एसोसिएशन से जुड़े हैं। इस बीच एडीएम पवन जैन ने ऐलान किया है कि मैदान में सिर्फ 40 दुकानों की ही अनुमति दी जाएगी। सुरक्षा कारणों को दुकानें कम करने की वजह बताया जा रहा है। इस बीच पटाखा व्यापारी एसोसिएशन के पदाधिकारी मंगलवार को दिनभर कलेक्टोरेट में चक्कर लगाते रहे लेकिन लाइसेंस जारी नहीं हुए।

कम दुकानें लगाना थी तो पहले बताना था

एसोसिएशन के अध्यक्ष शंकर होतचंदानी के अनुसार, दुकानें घटाकर 40 किए जाने की घोषणा ऐन वक्त पर की जाना गलत है। पहले प्रशासन को जानकारी देकर ही दुकानों का निर्माण करवाया गया। यदि कम दुकानों को अनुमति दी जानी थी तो पहले ही प्रशासन को स्पष्ट करना था। अब व्यापारी परेशान हैं। हम नेताओं से संपर्क कर रहे हैं ताकि अनुमति ली जा सके। क्योंकि बनी हुई दुकानें ऐन वक्त पर हटाना संभव नहीं हैं।

दबाव के पीछे कहानी कोई दूसरी

इस बीच आरटीआइ कार्यकर्ता पंकज प्रजापति ने पटाखा बाजार की आड़ में अधिकारियों द्वारा मनमानी करने और अनुचित लाभ लेने के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया। प्रजापति ने कहा कि नियमानुसार बिना लाइसेंस दुकानें नहीं लग सकती। ऐसे में अभी प्रशासन ने दुकानें कैसे लगने दी। यदि चालान जमा करवा लिए गए थे तो फिर लाइसेंस जारी करने में देरी क्यों की जा रही है। सुरक्षा के लिहाज से 40 दुकानों का नियम यदि बताया जा रहा है तो दशहरा मैदान में कैसे 100 से ज्यादा दुकानें लगने दी जाती हैं। दरअसल, दुकानें कम करने की घोषणा के बाद दुकानदारों से एसोसिएशन मोटा चंदा इकट्ठा कर रही है। दुकानें घटाने-बढ़ाने के इस पूरे खेल में भ्रष्टाचार की गंध आ रही है।

प्रदेश में पेंशनर्स का किया जा रहा है आर्थिक शोषण ~ मोहन सिंह

भिंड। प्रदेश में पेंशनर्स के साथ अन्याय किया जा रहा है। हमारे यहां केंद्रीय पेंशनर्स की देय तिथि से राज्य सरकार के पेंशनर्स को महंगाई राहत स्वीकृत नहीं की जा रही है। ऐसे में पेंशनर्स का आर्थिक रूप से शोषण किया जा रहा है। यह बयान पेंशनर्स एसोसिएशन मध्यप्रदेश के प्रांताध्यक्ष श्याम जोशी और प्रदेश संगठन महामंत्री मोहन सिंह राजावत ने संयुक्त रूप से जारी किया। प्रदेश संगठन महामंत्री मोहन सिंह राजावत ने कहा कि पेंशनर्स ने माह जनवरी 2019 से 12 प्रतिशत स्वीकृत राशि पर ही पूरे कोरोना काल तथा माह सितंबर 2021 तक पूरे 33 माह जीवन व्यतीत किया है। अभी भी प्रदेश के पेंशनर्स को केंद्रीय पेंशनर्स से 10 प्रतिशत कम राहत प्राप्त हो रही है। इससे स्पष्ट है कि सरकार प्रदेश के पेंशनर्स के साथ लगातार अन्याय कर रही है। सरकार की अन्य नीतियां भी हैं, जो कि पेंशनर्स के खिलाफ हैं। श्री राजावत ने बताया कि पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा सरकार की नीतियों के विरोध में और अपनी मांगों को पूरी करने के लिए 10 अक्टूबर को प्रदेश स्तरीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है। पेंशनर्स भाईयों से निवेदन है कि इस प्रदर्शन में शामिल होकर अपनी आवाज को बुलंद करें।अपील करने वालों में सर्वश्री आरपी शर्मा उपरांत अध्यक्ष श्री सरनाम सिंह जादौन अध्यक्ष प्रांतीय सलाहकार समिति डॉ प्रीतम सिंह कुशवाह प्रांतीय संगठन सचिव नंदकिशोर गोस्वामी प्रांतीय सचिव भंवर सिंह जादौन संभागीय अध्यक्ष ग्वालियर।

चुनरी यात्रा में उमड़ा आस्था और श्रद्धा का सैलाब

धूमेश्वर धाम से महामंडलेश्वर के साथ पदयात्रा कर लेकर पहुँचे 1500 मीटर लंबी चूनर ओढाई लखेश्वरी माँ को

भितरवार। धूमेश्वर धाम के महंत एवं महामंडलेश्वर अनिरुद्धवन महाराज बड़े धार्मिक कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को धर्म के प्रति मजबूत बनाने में जुटे हुए हैं। चित्रकूट और गोवर्धन की पदयात्रा के बाद उनके द्वारा विजयदशमी के दिन धूमेश्वर धाम से लखेश्वरी माता मंदिर तक भव्य चुनरी पद यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें शामिल हुए हजारों श्रद्धालु 1500 मीटर लंबी चुनरी लेकर लखेश्वरी माता मंदिर पहुँचे। जहां विधि विधान से पूजन कर मैया को चुनरी ओढाई गई। बुधबार क्षेत्र के प्रसिद्ध एवं प्राचीन धूमेश्वर महादेव मंदिर से सुबह 6 बजे महामंडलेश्वर अनिरुद्धवन महाराज के नेतृत्व में ऐतिहासिक भव्य चुनरी पद यात्रा शुरू हुई। जिसमें शामिल हुए हजारों महिला और पुरुष श्रद्धालु माँ लखेश्वरी के लिए 1500 मीटर (डेढ़ कि .मी) लंबी चूनर लेकर चल रहे थे। बम बम भोले और मातारानी के जयकारों के साथ ग्राम रायचौरा,झाऊ,खडीचा, साँखनी तिराहा, बांसोडी, भितरवार, सहारन तिराहा, आदमपुर, सिल्हा, गधौठा, देवरी, चिटोली गांव से होकर निकली चुनरी यात्रा का जगह जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। साथ ही स्टाल लगाकर पदयात्रियों को शीतल पेय उपलब्ध कराया गया। अब तक पहली और ऐतिहासिक चुनरी पद यात्रा 35 किमी की दूरी तय कर शाम को लखेश्वरी माता मंदिर पहुँचीं। जहां धूमेश्वर धाम के महंत श्री अनिरुद्धवन महाराज और लखेश्वरी माता मंदिर के पुजारी ने विधि विधान से पूजन कर माँ लखेश्वरी को चुनरी ओढाई। इसके बाद मंदिर प्रांगण में जिला पंचायत सदस्य जितेंद्र रावत की ओर से आयोजित भंडारे में श्रद्धालुओं ने भोजन प्रसादी ग्रहण की।

पूरा नगर जयकारों से गूंज उठा

अब तक की पहली और ऐतिहासिक चुनरी पद यात्रा से पूरे नगर का माहौल भक्तिमय हो गया। बैंड बाजों के साथ प्रमुख मार्गों से निकली यात्रा में शामिल लोगों के द्वारा लगाए गए बम बम भोले,हर हर महादेव और माता रानी के जयकारों से नगर गूंज उठा। चारों ओर बही भक्ति धारा में लोगों ने डुबकी लगाकर धार्मिक लाभ प्राप्त किया। वहीं भव्य चुनरी यात्रा का नगर में जगह जगह जनप्रतिनिधि और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने यात्रा का जोशीला स्वागत कर लोगों स्टाल लगाकर शीतल पेय उपलब्ध कराया।

नागरिकों को शासन की योजनाओं का समय पर लाभ दिलाने के लिए प्रदेश में चलाया जा रहा

मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान एक सराहनी प्रयास : सिंधिया

मुख्यमंत्री जन सेवा शिविर में 550 से अधिक आवेदन लिए गए, 375 पात्र हितग्राहियों को मौके पर दिलाया गया लाभ

ग्वालियर। आम नागरिकों के कल्याण के लिये प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान चलाकर प्रदेश भर में किया जा रहा कार्य है। केन्द्र एवं राज्य शासन की योजनाओं का सभी पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने के उद्देश्य से यह पवित्र अभियान संचालित है। केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यह बात गुरूवार को हजीरा क्षेत्र के सोना गार्डन में आयोजित मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के तहत लगाए गए जनकल्याण एवं जन समस्या निवारण शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में कही।

मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के तहत आयोजित दो दिवसीय शिविर में प्रथम दिवस ही 550 से अधिक हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं में लाभान्वित करने हेतु चयनित किया गया। जिनमें से 375 हितग्राहियों को मौके पर ही लाभ भी उपलब्ध कराया गया। इस शिविर में अतिथि के रूप में प्रदेश के जल संसाधन, मत्स्य एवं मछुआ कल्याण मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट, प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, मध्यप्रदेश बीज विकास निगम के अध्यक्ष मुन्नालाल गोयल, भाजपा जिला अध्यक्ष कमल माखीजानी सहित कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, पुलिस अधीक्षक अमित सांघी, नगर निगम आयुक्त किशोर कान्याल सहित जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि केन्द्र सरकार व प्रदेश सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत आम जनों को योजनाओं का लाभ दिलाकर उनके जीवन को और बेहतर बनाने का कार्य किया जा रहा है। प्रदेश भर में 45 दिन का विशेष अभियान मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के रूप में संचालित हो रहा है। पूरे प्रदेश भर में लाखों की संख्या में हितग्राहियों को चयनित 35 योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। ग्वालियर में भी बड़ी संख्या में शिविर आयोजित कर लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

आम जन योजनाओं का लाभ लें :तोमर

प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि क्षेत्र के निवासियों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर मिले, इसके लिये मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के तहत दो दिवसीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में आने वाले प्रत्येक हितग्राही को शासन की योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र में 16 हजार लोगों को राशन के लिये पात्रता पर्ची उपलब्ध कराई गई है। इसके साथ ही शासन की अनेक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को उपलब्ध कराया गया है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया के प्रयास से ग्वालियर क्षेत्र के बिरलानगर में 100 बिस्तर का अस्पताल भी प्रारंभ होगा। शिविर के अंत में शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभों का वितरण भी किया गया।

ग्वालियर से बनारस के लिए मिली एक और ट्रेन

ग्वालियर समेत भिंड, सोनी, मालनपुर, शिवपुरी, अशोक नगर के यात्रियों को मिलेगा फायदा

ग्वालियर। ग्वालियर, भिंड, शिवपुरी से बनारस जाने वालों के लिए राहतभरी खबर है। अंचल को बनारस के लिए सीधी ट्रेन मिल गई है। इस साप्ताहिक ट्रेन की शुरुआत बुधवार को बनारस स्टेशन से हो गई है। वापसी में 11 अक्टूबर को यह उधाना से रवाना होगी। इस नई ट्रेन के मिलने से ग्वालियर के साथ ही भिंड, मालनपुर, अशोक नगर व गुना के यात्रियों को बनारस जाने में आसानी होगी। बनारस से बुधवार को शुरू हुई बनारस-उधना सुपरफास्ट एक्सप्रेस गुरुवार सुबह ग्वालियर पहुंची है। यह ट्रेन बनारस स्टेशन से बुधवार शाम 5.50 बजे चली थी और गुरुवार सुबह 4.30 बजे के लगभग ग्वालियर पहुंची है। ट्रेन 5.53 बजे शिवपुरी, 07.50 बजे गुना, 8.23 बजे रुठियाई, 9.18 बजे ब्यावरा-राजगढ़, 11.40 बजे मक्सी पहुंची। यहां से ट्रेन रवाना हुई जो रात 20.35 बजे उधना स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 20961 उधना-बनारस साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस 11 अक्टूबर को (प्रति मंगलवार) को उधना स्टेशन से सुबह 7.25 बजे प्रस्थान कर शाम 4.30 बजे मक्सी पहुंचेगी। मक्सी से 4.32 बजे प्रस्थान कर शाम 5 बजे शाजापुर पहुंचेगी। शाम 5.02 बजे शाजापुर से प्रस्थान कर 5.58 बजे ब्यावरा-राजगढ़ पहुंचकर शाम 6 बजे रवाना होगी। शाम 7.08 बजे रुठियाई पहुंचकर शाम 7.10 बजे प्रस्थान करेगी। रात 8.05 बजे गुना पहुंचकर 8.15 बजे रवाना होकर रात 9.53 बजे शिवपुरी पहुंचेगी। रात 9.55 बजे शिवपुरी से रवाना होकर अगले दिन सुबह 10.50 बजे बनारस स्टेशन पहुंचेगी।

यह रहेंगे हॉल्ट

ट्रेन दोनों दिशाओं में ज्ञानपुर रोड, प्रयागराज, फतेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा, भिंड, सोनी, मालनपुर, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, रुठियाई, ब्यावरा-राजगढ़, शाजापुर, मक्सी, उज्जैन, नागदा, रतलाम एवं बड़ोदरा स्टेशनों पर रुकेगी।

प्रभारी मंत्री ने लिया एयरपोर्ट शिलान्यास की तैयारियों का जायजा

सभी तैयारियाँ समय-सीमा में पूर्ण करने के दिए निर्देश

ग्वालियर। ग्वालियर के सुनियोजित विकास में नए अध्याय के रूप में जुड़ने जा रहे एयरपोर्ट के विस्तार का शिलान्यास 16 अक्टूबर को प्रस्तावित है। जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने गुरूवार को मेला मैदान पहुँचकर शिलान्यास समारोह की तैयारियों का जायजा लिया।

प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने इस अवसर पर निर्देश दिए कि शिलान्यास समारोह की सभी तैयारियाँ समय-सीमा में पूर्ण कर ली जाएँ। साथ ही पार्किंग सहित सभी व्यवस्थाओं को इस प्रकार से अंजाम दें, जिससे कार्यक्रम में सुविधाजनक तरीके से संभाग के सभी जिलों से आ रहे नागरिक शामिल हो सकें। साथ ही यातायात भी बाधित न हो। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पेयजल सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं का पुख्ता प्रबंध करने पर बल दिया।

16 अक्टूबर को आएंगे अमित शाह नवीन एयरपोर्ट का करेंगे शिलान्यास, बड़ी जनसभा को करेंगे संबोधित

16 अक्टूबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ग्वालियर दौरे पर रहेंगे, इसको लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं. अमित शाह मेला ग्राउंड में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करेंगे. इसको लेकर आज प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट सहित अधिकारियों ने सभा स्थल का निरीक्षण किया. मंत्री तुलसी सिलावट ने अधिकारियों को व्यवस्था की देखरेख करने के लिए निर्देश दिए. बताया जा रहा है, इस जनसभा में एक लाख लोगों की भीड़ जुटाने का लक्ष्य है. इसको लेकर ग्वालियर चंबल अंचल के सभी जिलों से लोगों को बुलाया जा रहा है. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नवीन एयरपोर्ट का शिलान्यास भी करेंगे, इसको लेकर जोधपुर से तैयारियां चल रही हैं. प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट ने बताया कि, ग्वालियर वासियों को एक बड़ी सौगात मिलने जा रही है. हमारे देश के गृहमंत्री अमित शाह नवीन एयरपोर्ट का शिलान्यास करेंगे, इसके साथ ही उन्होंने बताया कि मेला ग्राउंड में एक बड़ी जनसभा को भी संबोधित करेंगे. जिसमें पार्टी का एक लाख से अधिक की संख्या में भीड़ जुटाने का लक्ष्य है।

अहंकार के कारण व्यक्ति सारी अच्छाइयां भूल जाता है, इसीलिए मन को संभाले रहें : मुनिश्री

भक्तामर में भगवान आदिनाथ की आरधान दीपक प्रज्वलित कर कर रहे है

ग्वालियर। अहंकार के कारण व्यक्ति सारी अच्छाइयां भूल जाता है और स्वयं की कमी, दोषों और दुर्बलताओं को स्वीकार नहीं करता और उसका व्यक्तित्व अपूर्ण रह जाता है। यह सब अहंकार के कारण होता है। भाव से मुक्ति है, बंधन है सुख और दुख है। भाव का प्रवाह पल पल बदलता रहता है जैसे पताका लहराती रहती है वैसा ही हमारा मन हमेशा ऊपर नीचे, इधर-उधर होता रहता है। हवा जब ज्यादा आती है तो पताका ज्यादा फड़फड़ाती है इसी प्रकार निमित्त से प्रभावित होकर हमारा मन भी रंग बदलने लगता है। यह बात श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ने साधनमय बर्षयोग समिति एवं मुख्य संयोजक मनोज जैन, जैन कालेज के संयुक्त तत्वावधान में आज गुरुवार को माधवगंज स्थित चातुर्मास स्थल अशियाना भवन में धर्मसभा को संबोधित करते हुए कही।

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में ज्योतिचार्य डॉ हुकुमचंद जैन के मार्ग दर्शन में श्रावकों ने पीले वस्त्रों में भगवान आदिनाथ का कलशों से जयकारों के साथ किया। मुनिश्री ने अपने मुख्यबिंद से मंत्रो का उच्चारण कर श्रावकों ने भगवान जिनेन्द्र के मस्तक पर बृहद शांतिधारा की।

भक्तामर में 48 दीपक समर्पित मधुर ध्वनियां के साथ कर रहे हैं

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि मुनिश्री विनय सागर महाराज के सानिध्य में जैन समाज के लोगों संगीत की मधुर ध्वनियां के साथ संस्कृत में श्री भक्तामर पाठ 48 श्लोक का वाचन ज्योतिषाचार्य डॉ हुकुमचंद जैन कर एक-एक श्लोक के बाद स्वस्तिक के मढ़ने पर एक-एक कर 48 दीपक स्थापित किए। इस अवसर पर भजन उंगली पकड़ मेरी मुझे रास्ता दिखाते हैं, भजन पर भक्त भाव विभोर होकर झूमने लगे। बाबा तेरे चरणों की धूल जो मिल जाए भजन प्रस्तुत किया।भगवान आदिनाथ 48 दीपक से महा आरती की गई।

संक्षिप्त समाचार

नवागत संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने किया पदभार ग्रहण

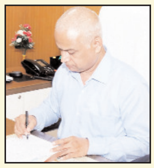

ग्वालियर। नवागत संभाग आयुक्त श्री दीपक सिंह ने आज प्रातः 10 बजे ग्वालियर चंबल संभाग के संभाग आयुक्त पद पर पदभार ग्रहण किया और जिले व संभाग के अधिकारियों से चर्चा की। ज्ञात हो कि पूर्व संभागायुक्त श्री आशीष सक्सेना की सेवानिवृत्ति के बाद राज्य शासन द्वारा उच्च शिक्षा विभाग से स्थानांतरित कर श्री दीपक सिंह को ग्वालियर-चंबल संभाग का संभाग आयुक्त बनाया गया है। इसके साथ ही श्री सिंह को चंबल संभाग का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। ग्वालियर संभाग के संभाग आयुक्त पद पर पदभार ग्रहण करते हुए श्री दीपक सिंह ने कहा कि ग्वालियर में चल रही विकास योजनाओं को गुणवत्ता के साथ निर्धारित अवधि में पूरा कराया जाएगा। जिससे आम नागरिकों को विकास कार्यों का लाभ मिल सके।

व्यवस्था ऐसी हो जिससे किसानों को तत्काल खाद मिल जाए - संभाग आयुक्त श्री सिंह

पदभार ग्रहण करने के बाद नवागत संभाग आयुक्त ने की खाद वितरण व्यवस्था की समीक्षा

ग्वालियर । खाद वितरण व्यवस्था को इस प्रकार से अंजाम दें, जिससे जरूरतमंद किसान को तत्काल खाद उपलब्ध हो सके। खाद वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की ढ़िलाई बर्दाश्त नहीं होगी। इस आशय के निर्देश नवागत संभाग आयुक्त श्री दीपक सिंह ने विपणन संघ, कृषि, सहकारिता एवं खाद वितरण व्यवस्था से जुड़े विभागों के संभागीय अधिकारियों की बैठक में दिए। संभाग आयुक्त श्री दीपक सिंह ने ग्वालियर संभाग आयुक्त का पदभार ग्रहण करने के बाद गुरूवार को यहाँ राजस्व भवन में खाद वितरण व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने डबल लॉक सहित सभी संस्थाओं में वर्तमान में उपलब्ध खाद की जिलेवार जानकारी ली। साथ ही सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि रबी मौसम की बुवाई को ध्यान में रखकर खाद वितरण से जुड़े सभी अधिकारी पूरी तरह सजग व मुस्तैद रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि खाद की निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने के लिये विपणन संघ को डीओ लेटर (अर्द्धशासकीय पत्र) भेजें। श्री सिंह ने कृषि विभाग के अधिकारियों को खाद वितरण केन्द्रों का नियमित रूप से निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए। बैठक में संभाग आयुक्त ने यह भी कहा कि खाद वितरण व्यवस्था की हर रोज गूगल मीट के जरिए समीक्षा की जायेगी। साथ ही सीएम हैल्पलाइन व ई-उपार्जन की समीक्षा भी होगी।

रेड लाइट एरिया से मिली युवती, युवक बोला- पत्नी है

पुलिस ने सबूत मांगा तो कहा- शादी कराने वाले पंडित की मौत हो गई

ग्वालियर। रेड लाइट एरिया में पकड़ी गई कोलकाता की युवती के बारे में एक युवक ने दावा किया कि वह उसकी पत्नी है। पुलिस ने सबूत मांगा तो बोला- शादी कराने वाले मौसा और पंडित की मौत हो गई। ऐसे में पुलिस उसकी कहानी पर भरोसा नहीं कर रही है।ग्वालियर के बदनापुरा में पुलिस लगातार लड़कियों की सर्चिंग कर रही है। एक दिन पहले यहां से 2 युवतियों को छुड़ाया गया। इनमें से एक युवती की कहानी पुलिस के सामने आई है। उसे 3 साल पहले उसका मौसा कोलकाता से लेकर आया था। तब युवती की उम्र 18 साल थी। यहां जिस युवक के पास वह मिली है, वह उससे शादी होने का दावा कर रहा है। उसने पुलिस को बताया कि युवती उसकी पत्नी है। युवक का कहना है, 21 साल की रज्जो (बदला हुआ नाम) मेरी पत्नी है। 3 साल पहले हमारी शादी हुई थी। जब रज्जो से पूछा गया तो उसने बताया, 4 साल पहले दादी का देहांत हो गया था। इसके बाद उसका मौसा उसे गांव से अपने साथ कोलकाता ले गया। इसके 1 साल बाद मौसा ने उसे यहां लाकर छोड़ दिया। युवक ने कहा, मौसा ने उन दोनों की शादी कराई है।

पुलिस ऐसे पहुंची कोलकाता की युवती तक

रेडलाइट एरिया बदनापुरा-रेशमपुरा में 3 दिन पहले 3 लड़कियां मिली थीं। वहां कई और गड़बड़ियों के सबूत मिले थे। जिसके बाद मंगलवार को पुलिस एक बार फिर यहां पहुंची थी। इस बार पुलिस के साथ नगर निगम का अमला, सीएमएचओ की टीम और महिला बाल विकास विभाग के अफसर मौजूद थे। टीम ने एक-एक घर का वेरिफिकेशन किया था।जब सर्चिंग की तो एक धनावत परिवार के घर से 2 युवतियां संदिग्ध मिलीं। यह परिवार इनका तत्काल कोई रिकॉर्ड नहीं दे पाया। जो डॉक्यूमेंट दिए थे। वह प्रारंभिक पड़ताल में जाली नजर आ रहे थे। जिस पर दोनों युवतियों को निगरानी में लेकर पुलिस ने पूछताछ की। इनमें एक ने कोलकाता तो दूसरी ने बिहार से आना बताया। इनमें से बिहार की युवती के संबंध में कुछ दस्तावेज परिवार ने उपलब्ध करा दिए थे, लेकिन कोलकाता वाली युवती का सबूत नहीं दे पाए।

पड़ोसी ने नाबालिग से किया दुष्कर्म

मामा की बरात में शामिल होने दिल्ली से ग्वालियर आई थी मासूम

ग्वालियर। ग्वालियर में मामा की बारात में शामिल होने आई 14 वर्षीय किशोरी से मामा के पहचान वाले ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। घटना ग्वालियर थाना क्षेत्र के अग्रवाल धर्मशाला की है। घटना का पता उस समय चला जब किशोरी रोते हुए मां के पास पहुंची। मां उसे लेकर थाने पहुंची। पुलिस ने किशोरी की शिकायत पर दुष्कर्म का मामला दर्ज कर लिया है। संगम विहार कॉलोनी दिल्ली निवासी 14 वर्षीय किशोरी अपनी मां के साथ मामा की शादी में शामिल होने आई थी। बारात को किला गेट स्थित अग्रवाल धर्मशाला में ठहराया गया था। शादी का कार्यक्रम होने के बाद किशोरी की मां दुल्हन को तैयार कर रही थी कि तभी किसी काम से किशोरी कमरे से बाहर आई। कमरे के गेट पर सोहिल खड़ा था। वह उसे काम के बहाने बगल वाले कमरे में ले गया और गलत काम किया। किशोरी ने विरोध किया तो जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि सोहिल उर्फ जंबो मामा का परिचित है। वह उसे भी मामा बोलती है। उसने उसे छोड़ने का कहती रही, लेकिन वह नहीं पसीजा। एडिशनल एसपी मृगाखी डेका ने बताया कि किशोरी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी अभी फरार है।

मुख्यमंत्री जन सेवा योजना शिविर

जोन 17 में आए 150 से अधिक आवेदन

ग्वालियर। मुख्यमंत्री जन सेवा योजना शिविर आम जनता को राहत देने के लिए नगर निगम के सभी वार्डों में लगाए गए इस दौरान शिविर में आकर लोगों ने अपनी जन समस्याओं के आवेदन दिए जिसमें कामकाजी कार्ड, राशन से जुड़ी समस्याएं एवं लोन आदि 31 प्रकार की समस्याओं के आवेदन शिविर में लिए गए इस दौरान शिविर में पूर्व जीडीए अध्यक्ष रविंद्र सिंह राजपूत, वार्ड 39 पार्षद राकेश माहोर, वार्ड 38 पार्षद भगवान सिंह कुशवाह, जेडो जॉन 17 संजीव सिंघल, राजस्व निरीक्षक वार्ड 38 के.सी. साहू,जन्मित्र प्रभारी श्रीमती रानी पाठक, ऑपरेटर पवन नरवरिया, राजस्व निरीक्षक जॉन 17 अशोक सेन, लिपिक सोनू रजक, जनमित्र लिपिक आकाश चौकोटिया, बलराम कुशवाह, आकाश कुशवाह, सहित निगम के अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनूमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478